हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 241 बेमेतरा, रविवार 26 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने हज यात्रियों को वितरित किया फर्स्ट एड किट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हज यात्रियों को फ र्स्टएड किट सौंपकर उनकी सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि रायगढ़ से सांसद रहने के समय से लेकर लगातार हज यात्रियों के स्वागत का अवसर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रदेश से कुल 815 हज यात्री यात्रा पर जा रहे हैं और पहली बार स्वास्थ्य विभाग द्वारा यात्रियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया तथा मेडिकल किट भी उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री ने यात्रियों से देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करने का आग्रह करते हुए उनकी यात्रा की सफलता की कामना की। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ के हज यात्रियों को यह पावन अवसर प्राप्त हो रहा है।

उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे अपनी यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण कर प्रदेश और देश की खुशहाली के लिए दुआ करें। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अब हज यात्रा के लिए लंबी प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती और अधिक लोगों को यह अवसर मिल रहा है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से संभव हुआ है। कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा एजाज बेग ने भी संबोधित किया और हज यात्रा से जुड़ी जानकारी साझा की।

नीति आयोग का पुनर्गठन, प्रधानमंत्री मोदी ने नई टीम को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है और पूर्व आर्थिक सलाहकार डॉ अशोक कुमार लाहिड़ी को सरकार के इस शीर्ष परामर्श संस्थान का उपाध्यक्ष बनाया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी राजीव गौबा तथा प्रो. के.वी. राजू, प्रो. गोबर्धन दास, प्रो. अभय करंदीकर और डॉ. एम. श्रीनिवास को आयोग पूर्णकालिक सदस्य बनाया गया है।

डॉ. लाहिड़ी नीति आयोग के उपाध्यक्ष पद पर प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉक्टर सुमन बेरी का स्थान ले रहे हैं जो दो मई 2021 से इस पद पर थे। वह पश्चिम बंगाल विधानसभा में बालूरघाट निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि हैं। उन्होंने इस बार का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है। वह 15वें वित्त आयोग के सदस्य रहे हैं। प्रधानमंत्री पदेन इस निकाय के अध्यक्ष होते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संस्थान के पुनर्गठन पर नए उपाध्यक्ष और उनकी टीम को शुभकामनाएं दी हैं। मोदी ने सोशल मीडिया पर शनिवार को एक पोस्ट में कहा, नीति आयोग भारत की नीति-निर्माण संरचना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है, जो सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने, सुधारों को आगे बढ़ाने और जीवन की सुगमता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। यह विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और दीर्घकालिक रणनीतिक सोच के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है। प्रधानमंत्री ने कहा, सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। डॉ लाहिड़ी जी को उपाध्यक्ष बनने पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। साथ ही, राजीव गौबा जी, प्रो. के.वी. राजू जी, प्रो. गोबरधन दास जी, प्रो. अभय करंदीकर जी और डॉ. एम. श्रीनिवास जी को नीति आयोग के पूर्णकालिक सदस्य बनने पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।इन सभी को उनके सफल और प्रभावशाली कार्यकाल की शुभकामनाएं। डॉ. लाहिड़ी नीति आयोग के उपाध्यक्ष पद पर प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉक्टर सुमन बेरी का स्थान ले रहे हैं जो 2 मई 2021 से इस पद पर थे। वह पश्चिम बंगाल विधानसभा में बालूरघाट निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि हैं। उन्होंने इस बार का विधान सभा चुनाव नहीं लड़ा है।

आरक्षक की पत्नी और बेटे की हत्या, महिला गिरफ्तार

दुर्ग। महिला ने घर में घुसकर आरक्षक की पत्नी और उसके 9 साल के बेटे की चाकू मारकर हत्या कर दी, जबकि 2 बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। एक बेटी ने बाथरूम में छिपकर अपनी जान बचाई। आरोपी महिला ने सो रहे बच्चे पर चाकू से 14 वार किए। मामला सुपेला थाना क्षेत्र के STF कॉलोनी का है। जानकारी के मुताबिक, मृतिका का नाम रीना यादव है। उनके पति ललितेश यादव STF में आरक्षक हैं और वर्तमान में बीजापुर में पदस्थ हैं। वे 15 दिन की छुट्टी पर दुर्ग आए हुए थे। वारदात की वजह अवैध संबंध बताई जा रही है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

शनिवार सुबह करीब 8 बजे वे रेलवे स्टेशन रिजर्वेशन कराने गए थे। इसी दौरान आरोपी महिला घर पहुंची और हमला कर दिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आरोपी महिला सरोजनी भारद्वाज (25) एक दिन पहले भी घर पहुंची थी। उस समय आरक्षक ललितेश यादव ने उसे समझाकर वापस भेज दिया था। आरोपी महिला जांजगीर की रहने वाली बताई जा रही है और दुर्ग में किराए के मकान में रह रही थी। बताया जा रहा है कि मां ने आरोपी महिला का पैर पकड़ और बेटियों को भगाने के लिए कहा। एक बेटी किसी तरह बाहर निकलकर पड़ोसियों को सूचना देने में सफल रही, जबकि दूसरी बाथरूम में छिप गई। सूचना मिलने पर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और आरोपी महिला को पकड़ लिया। लोगों ने उसके हाथ से चाकू छीनकर पुलिस को सूचना दी।

सीएसपी भिलाई सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि इलाज के दौरान रीना यादव और उसके बेटे की मौत हो गई।

भारतीय नौसेना की बढ़ी ताकत, बीडीएल ने एनएसटीएल को सौंपा स्वदेशी भारी टॉरपीडो

विशाखापत्तनम। रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले एक प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम भारत डायनेमिक्स लिमिटेड ने गुरुवार को अपनी विशाखापत्तनम इकाई में नौसेना विज्ञान एवं तकनीकी प्रयोगशाला को एक उत्पादन-ग्रेड वायर गाइडेड हेवी वेट टॉरपीडो सौंपा। यह स्वदेशी रक्षा निर्माण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है।

बीडीएल की ओर से शुक्रवार देर रात जारी एक बयान में बताया गया कि इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक आर.वी. हारा प्रसाद, बीडीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ए. माधवराव, और अब्राहम वर्गीस शामिल थे। इनके साथ ही बीडीएल, एनएसटीएल और भारतीय नौसेना की टीमें भी मौजूद थीं। विकास-सह-उत्पादन भागीदार के रूप में बीडीएल ने एनएसटीएल के साथ मिलकर भारत के पहले स्वदेशी उत्पादन-ग्रेड वायर-गाइडेड हेवी वेट टॉरपीडो को सफलतापूर्वक साकार करने के लिए गहन सहयोग किया। इस प्रणाली को अभ्यास और युद्ध, दोनों तरह के विन्यासों में विकसित किया गया है और इसे औपचारिक रूप से एनएसटीएल को सौंप दिया गया है। यह आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत उन्नत नौसैनिक हथियार प्रणालियों में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रक्षा मंत्रालय MINISTRY OF DEFENCE सत्यमेव जयते

यह टॉरपीडो उन्नत होमिंग और प्रोपल्शन प्रणालियों से लैस है, साथ ही इसमें परिष्कृत खोज, हमला और पुन: हमला करने की क्षमताएं भी हैं, जिससे भारतीय नौसेना की परिचालन तत्परता में काफी वृद्धि हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि यह उपलब्धि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और बीडीएल के बीच मजबूत सहयोग को दर्शाती है, जिसे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) सहित औद्योगिक भागीदारों के एक विस्तृत नेटवर्क का समर्थन प्राप्त है।

सच्चाई जानते हुए संबंध में रही महिला, अपराध नहीं बनता, हाईकोर्ट ने शख्स को किया बरी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने विवाहित पुरुष के पक्ष में अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस संजय एस अग्रवाल ने कहा अगर महिला को पहले से पता हो कि पुरुष शादीशुदा है और उसके साथ संबंध बनाती है, तो बाद में वह उस पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने या धोखाधड़ी का आरोप नहीं लगा सकती। हाईकोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ निचली अदालत से आरोपी को बरी करने के फैसले को बरकरार रखा है। साथ ही महिला की अपील को खारिज कर दी है। इस मामले में महिला ने खुद पैरवी की। डोंगरगढ़ की रहने वाली महिला ने अनुसार उसकी शादी 8 मई 2008 को महेश गंजीर के साथ हुई थी और 21 जनवरी 2009 को शादी का इकरारनामा भी तैयार किया गया था। महिला का दावा था कि इसके बाद दोनों पति-पत्नी की तरह रह रहे थे। इस दौरान उनके बीच शारीरिक संबंध भी बने।

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसने अलग-अलग यात्राओं पर 85 हजार रुपए खर्च किए, लेकिन जब उसने और पैसे देने से मना किया तो पति महेश ने उसे घर से निकाल दिया, जिसके बाद महिला ने महेश पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए निचली अदालत में मामला पेश किया था।कोर्ट ने पाया कि महिला के दावों में कई विरोधाभास थे। रिकॉर्ड के अनुसार महिला की ओर से पहले दिए गए नोटिस और पुलिस शिकायत में शादी की निश्चित तारीख का जिक्र नहीं था, बल्कि उसमें केवल यह कहा गया था कि आरोपी ने शादी के बहाने मई से सितंबर 2008 के बीच शारीरिक संबंध बनाए।

बंद मकान में लगी आग, 9 घरों को चपेट में लिया

लोगों ने बाहर निकलकर बचाई जान

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में बढ़ती गर्मी के बीच आग लगने की घटनाएं बढ़ती जा रही है। इस बीच मस्तूरी में भीषण आग का कहर देखने को मिला है. जोंधरा चौक के पास स्थित आरा मिल के पीछे बंद मकान में लगी आग ने आसपास के 9 घरों को भी चपेट में ले लिया। घटना से रिहायशी इलाकों में अग्नि सुरक्षा पर फिर सवाल उठ रहे हैं।

शॉर्ट सर्किट की आशंका

जानकारी के मुताबिक, आरा मिल के पीछे बसे घरों में देर रात आग लग गई. घटना में लाखों का सामान जलकर खाक हो गया. वहीं शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका है. गनीमत रही कि घरों से लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई ली।

बताया जा रहा है कि कच्ची और लकड़ी की छतों के माध्यम से आग तेजी से फैली। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत, अफरा-तफरी का माहौल है. सूचना के बाद मस्तूरी पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं प्रशासन नुकसान के आकलन करेगा।

केजरीवाल इतिहास के सबसे शौकीन व्यक्ति, नया आवास भी शीशमहल जैसा बनाया : प्रवेश साहिब सिंह

नयी दिल्ली। भाजपा ने आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इतिहास का सबसे शौकीन व्यक्ति करार देते हुए शनिवार को कहा कि उन्होंने अपना नया आवास भी 'शीशमहल' जैसा बना लिया है।

दिल्ली सरकार के लोक निर्माण मंत्री एवं भाजपा नेता प्रवेश साहिब सिंह ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कि आप का मतलब 'आलीशान आदमी पार्टी' है। इस दौरान, उन्होंने केजरीवाल के नये घर की तस्वीर जारी करते हुए उनकी तुलना फिल्म 'धुरंधर' के 'रहमान डकैत' से की और कहा कि उन्होंने (केजरीवाल) दिल्ली के बाद अब पंजाब में भी दूसरा 'शीशमहल' बना लिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव हारने के बाद केजरीवाल पंजाब चले गये। वहां मुख्यमंत्री भगवंत मान के सरकारी आवास के आस-पास चार घरों पर केजरीवाल, तथा आप नेता सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह ने कब्जा कर लिया। केजरीवाल ने वहां दूसरा 'शीशमहल' तैयार कर लिया है।

गौरतलब है कि अदालत के आदेश के बाद केन्द्र सरकार ने केजरीवाल को 95, लोधी एस्टेट में सरकारी आवास आवंटित किया था। उन्होंने परिवार के साथ इस घर में प्रवेश किया। सिंह ने केजरीवाल के इस आवास की मरम्मत में हुए खर्च को लेकर भी उन पर हमला बोला। उन्होंने केजरीवाल के नये घर की तस्वीरें दिखाकर हैरानी जतायी और कहा, वहां भी उन्होंने खूब खर्च किया है। यह सरकारी घर है, लेकिन इसमें सरकारी पैसा नहीं लगा है।

उन्होंने कहा कि पहले 'शीशमहल' (6, फ्लैग स्टाफ रोड, मुख्यमंत्री आवास) पर भारी खर्च को लेकर जब सवाल उठे तो केजरीवाल ने दावा किया था कि सजावट का फैसला पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता ने लिया था और उन्हें खर्च की जानकारी नहीं थी।

बंगाल और तमिलनाडु में नहीं की गयी है पुनर्मतदान की सिफारिश : आयोग

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभाओं के चुनाव के लिए 23 अप्रैल को हुए मतदान के संबंध में किसी भी स्थान पर पुनर्मतदान की सिफारिश नहीं की गयी है। यह जानकारी शनिवार को यहां चुनाव आयोग के अधिकारियों ने दी। पश्चिम बंगाल में 294 सदस्य विधानसभा के पहले चरण के चुनाव में 152 सीटों के लिए 44376 मतदान केन्द्रों पर इस सप्ताह गुरुवार को वोट डाले गये थे। कुछ स्थानों पर छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा ।

वहीं, तमिलनाडु में एक ही बार में सभी 234 विधानसभा सीटों पर चुनाव संपन्न कराया गया। इसके लिए 75064 मतदान केंद्र बनाए गए थे।

बाजार विनियामक सेबी से कदाचार के विरुद्ध बहुत कठोर रुख अपनाने को कहा

देश के शेयर बाजार का सफर लम्बा , उपलब्धियां विश्वस्तरीय : सीतारमण

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत के प्रतिभूति बाज़ार की विकास यात्रा में बड़ी उपलब्धियों को को रेखांकित करते हुए कहा कि यह यात्रा उल्लेखनीय रही है और भारतीय बाजार एक मज़बूत, प्रौद्योगिकी-आधारित और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी पारिस्थितिकी तंत्र में सबसे अच्छे बाजारों में एक है। वित्त मंत्री ने विश्वास और ईमानदारी को बाजार की अदृश्य लेकिन सबसे अहम अवसंरचना बताते हुए बाजार विनियामक सेबी से कदाचार के विरुद्ध बहुत कठोर रुख अपनाने को कहा।

सीतारमण ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के 38वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते कहा कि भारतीय बाज़ारों की यात्रा पारंपरिक ट्रेडिंग रिंग से निकल कर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक ऑर्डर बुक तक, भौतिक शेयर प्रमाणपत्रों से पूर्ण डीमैटेरियलाइजेशन तक, और बिखरी हुई निगरानी से रीयल-टाइम नियामकीय पर्यवेक्षण तक पहुंच गयी है। वित्त मंत्री ने कहा कि इन बाज़ारों का आकार यात्रा की चुनौतियों से तय हुआ है और इस दौरान उत्पन्न दबावों और अस्थिरता के दौर ने नियमन और बाज़ार अवसंरचना को मज़बूत किया है। उन्होंने कहा, भारतीय बाज़ारों का इतिहास हमें पहले के दशकों के तनावपूर्ण दौर से महत्वपूर्ण सबक भी सिखाता है, जिससे मज़बूत नियमन विकसित हुआ। अस्थिरता के दौर ने बेहतर बाज़ार ढांचा बनाया, चुनौतियों ने बेहतर संस्थानों को जन्म दिया। इसी तरह परिपक्व वित्तीय प्रणालियाँ सीखते हुए, अनुकूलन करते हुए और अधिक मज़बूत बनकर उभरती हैं। सेबी की भूमिका को रेखांकित करते हुए सीतारमण ने कहा कि उसकी प्रभावशीलता केवल उसके अधिकारों की व्यापकता से नहीं, बल्कि उन्हें अनुशासन के साथ लागू करने से आती है। उन्होंने उन्होंने कहा, सेबी ने सभी सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए टी 1 (ट्रेड प्लस वन) सेटलमेंट चक्र लागू करने में भारत का नेतृत्व किया, जो जनवरी 2023 में पूरा हुआ। इससे भारत कई बड़े बाज़ारों, जैसे अमेरिका, से आगे निकल गया, जिसने टी 1 को मई 2024 में अपनाया। ट्रेड प्लस वन निपटन चक्र का अर्थ है कि प्रतिभूति लेनदेन एक कार्यदिवस के भीतर निपटाया जाता है, यानी शेयर और धनराशि अगले कार्यदिवस तक हस्तांतरित हो जाते हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि सेबी ने एएसबीए (एप्लिकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉक्ड अमाउंट) प्रणाली भी शुरू की। जो आईपीओ के लिए एक वैश्विक नवाचार है, जिसने रिफंड चक्र को समाप्त कर दिया और निवेशक के बैंक खाते में केवल आवंटित राशि को ही ब्लॉक किया (खाते में रोका)।

उन्होंने सेबी और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने मिलकर भारत को दुनिया का ऐसा पहला बाजार क्षेत्र बनाया, जहां यूपीआई के माध्यम से आईपीओ आवेदन संभव हुआ, जिससे प्राथमिक बाज़ारों में रीयल-टाइम खुदरा भागीदारी हर स्मार्टफोन तक पहुंची।

उन्होंने कहा कि कि आज भारत दुनिया की सबसे उन्नत डिपॉजिटरी अवसंरचनाओं में से एक संचालित करता है, जिसमें नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड के पास पांच लाख करोड़ डॉलर से अधिक मूल्य की डीमैट प्रतिभूतियाँ हैं।

उन्होंने संस्थान की प्रभावशीलता दिखाने वाले कुछ आँकड़े भी साझा किए: ÷सेबी की सफ्लता दर सुप्रीम कोर्ट में 90 प्रतिशत से अधिक, सिक्योरिटीज अपीलेट ट्रिब्यूनल में 73 प्रतिशत और सिविल कोर्ट या एनसीएलटी में 92 प्रतिशतहै।

भाजपा शासन में अब पीड़ित को प्रताड़ित करने की बनी है नयी व्यवस्था : प्रियंका

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में एक युवती की हत्या से पहले उसकी शिकायत दर्ज करने में आनाकानी करने, फिर दबंगों के पीड़ित परिवार पर दबाव बनाने को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है और कहा है कि भाजपा शासन में अब यह नयी व्यवस्था बन गयी है।

वाड्रा ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक लड़की की हत्या के मामले में पहले प्राथमिकी दर्ज करने में आनाकानी, फिर पीड़ित परिवार को धमकियां मिलना और दबंगों द्वारा अराजकता फैलाना यह दिखाता कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार चरम पर है। उन्होंने कहा भाजपा राज में अब यही अघोषित कानून बन गया है कि जब भी किसी महिला पर अत्याचार होता है तो पीड़ित को ही और प्रताड़ित किया जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा महिलाओं को लेकर प्रधानमंत्री जी की बड़ी-बड़ी बातें सिर्फ दिखावा हैं। उन्नाव हो, हाथरस हो, प्रयागराज हो या गाजीपुर, जहां भी महिलाओं के साथ अन्याय हुआ, भाजपा अपनी पूरी सत्ता के साथ पीड़िता के खिलाफ, अत्याचारी के साथ खड़ी हो गई। देश भर की महिलाएं ये अंधेरगर्दी देख रही हैं।

घोटाले के आरोपी दागी लिपिक को नवीन सहकारी समिति घटगांव में पदस्थापना देने से भारी आक्रोश, कलेक्टर से शिकायत

रायगढ़/मूक पत्रिका

नवीन सहकारी समिति घंटगांव में पूर्व में लाखों के घोटाले के आरोपी लिपिक को पदस्थापना देने की सुगबुगाहट ने ग्रामीणों को परेशान कर दिया है। ग्रामीणों ने सहकारिता विभाग के कुछ अधिकारियों पर दागी लिपिक को पदस्थापना देने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर से शिकायत की है। ग्राम घटगांव, बहामा व समस्त आश्रित ग्राम, तहसील-लैलूंगा के ग्रामीणों ने ज्ञापन देकर कहा कि घटगांव क्षेत्र में इस समय भारी जनाक्रोश व्याप्त है और जनता का धैर्य जवाब दे रहा है। विश्वस्त सूत्रों से यह बेहद आपत्तिजनक जानकारी मिली है कि सहकारिता विभाग के कुछ अधिकारी एक निलंबित एवं दागी लिपिक अंकित बेहरा को नवीन सहकारी समिति घटगांव में गुपचुप तरीके से पदस्थ करने की साजिश रच रहे हैं। इस खबर के फैलते ही पूरे क्षेत्र में आग की तरह रोष फैल गया है। यह वही अंकित बेहरा है जो पूर्व में धान उपार्जन केंद्र राजपुर में लिपिक रहते हुए करोड़ों के भ्रष्टाचार में लिप्त पाया गया था। विभागीय जांच में दोष सिद्ध होने पर इसे निलंबित किया गया था। किसानों का खून-पसीना चूसने वाले ऐसे व्यक्ति को अब पुरस्कार स्वरूप नवीन मंडी में बिठाया जा रहा है यह किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। और हद तो यह है कि निलंबन बहाली के बाद इसे राजपुर भेजा गया, परंतु यह वहां ज्वाइन करने से इनकार कर रहा है और अपनी राजनीतिक पहुंच एवं ऊपरी साठगांठ के दम पर जानबूझकर घटगांव जैसी महत्वपूर्ण नवीन मंडी हथियाना चाहता है ग्रामीणों ने कलेक्टर से कहा कि स्थिति विस्फोटक है। घटगांव समिति कोई सामान्य कार्यालय नहीं है यह कई गांवों के 5000 से अधिक किसानों की जीवनरेखा है। करोड़ों का धान उपार्जन यहां से होगा। ऐसी संवेदनशील और नवीन संस्था को एक भ्रष्टाचार के आरोपी के हवाले करना सीधे-सीधे किसानों के साथ धोखा और क्षेत्र की शांति व्यवस्था से खिलवाड़ होगा। समस्त ग्रामसभा, कृषक और जनप्रतिनिधियों का एक स्वर में अल्टीमेटम है कि अंकित बेहरा के घटगांव में प्रस्तावित पदस्थापना तत्काल प्रभाव से निरस्त की जाए। दागी व्यक्ति को घटगांव की धरती पर एक कदम भी नहीं रखने देंगे इसका हम उग्र विरोध करते हैं। अंकित बेहरा के संपूर्ण सेवा रिकॉर्ड, निलंबन आदेश, राजपुर मंडी की जांच रिपोर्ट और भ्रष्टाचार की फाइल तत्काल सार्वजनिक की जाए।पदस्थापना की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी हो। समिति किसानों की है इसलिए किसी भी नियुक्ति से पहले सर्वदलीय किसान समिति एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लिखित सहमति अनिवार्य की जाए।घटगांव में केवल स्वच्छ, ईमानदार और निर्विवाद छवि के अधिकारी की ही पदस्थापना हो। ग्रामीणों ने कहा कि यदि प्रशासन ने किसानों की इस जायज आवाज को अनसुना कर दागी व्यक्ति को घटगांव में बिठाने की गलती की, तो संपूर्ण क्षेत्र के किसान सड़कों पर उतरने को विवश होंगे। हम शांतिपूर्ण ढंग से चक्काजाम, मंडी घेराव और क्रमिक अनशन शुरू करेंगे। इससे उत्पन्न होने वाली कानून-व्यवस्था की संपूर्ण जवाबदारी जिला प्रशासन एवं सहकारिता विभाग की होगी।

जनगणना जागरूकता कार्यशाला आयोजित, तहसीलदार ने की स्व-गणना करने की अपील

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ में जनगणना 2027 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शासन-प्रशासन अब सीधे गांवों तक पहुंचकर लोगों को जागरूक कर रहा है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत पंचधार में शुक्रवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया, जहां सरिया तहसीलदार कोमल प्रसाद साहू ने ग्रामीणों को जनगणना की प्रक्रिया समझाया और सभी से स्व-गणना करने अपील की।

कार्यशाला में मौके पर ही कई लोगों ने मोबाइल के माध्यम से अपनी जानकारी भरकर स्व-गणना पूरी भी की। कार्यशाला में मौजूद नागरिक महेश बारीक ने बताया कि स्व-गणना की प्रक्रिया बेहद आसान है और इसे मोबाइल के जरिए कुछ ही स्टेप्स में पूरा किया जा सकता है। वहीं पत्रकार हेमंत पटेल ने भी मौके पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर स्व-गणना भरकर प्रक्रिया को समझा। इस दौरान पटवारी, सचिव, सरपंच-उप सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपने मोबाइल से जानकारी भरकर सबमिट किया। प्रशासन की ओर से पहले ही कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे द्वारा स्व-गणना कर जिलेवासियों को प्रेरित किया जा चुका है। उन्होंने नागरिकों से अपील किया है कि वे आगे आकर इस प्रक्रिया में भाग लें और सही व पूर्ण जानकारी दर्ज करें, ताकि जनगणना का काम सटीक और सफल हो सके। अधिकारियों का कहना है कि इस बार डिजिटल माध्यम से जनगणना को अधिक सरल और पारदर्शी बनाया गया है। जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। इससे पहले 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्व-गणना की सुविधा दी गई है। इच्छुक नागरिक आधिकारिक पोर्टल https\Ñ//se.census.gov.in/ पर जाकर अपने परिवार और मकान की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। स्व-गणना के बाद प्रत्येक परिवार को एक यूनिक आईडी दी जाएगी, जिसे सुरक्षित रखना जरूरी होगा, क्योंकि सत्यापन के दौरान प्रगणक को यही आईडी दिखानी होगी।

तमनार ब्लाक के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. फणीन्द्रनाथ पटनायक का निधन पत्रकार जगत में शोक की लहर

रायगढ़/मूक पत्रिका

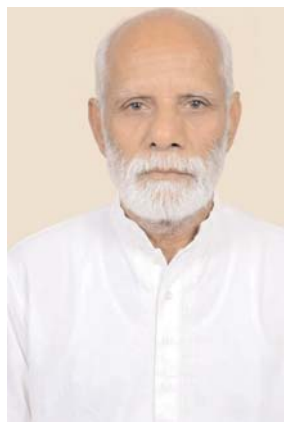

तमनार ब्लाक के वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े प्रखर व्यक्तित्व डॉ. फणीन्द्रनाथ पटनायक का दिनांक 23 अप्रैल 2026 को सुबह लगभग 8 बजे निधन हो गया। वे स्व. क्षमानिधी पटनायक के सुपुत्र थे। उनके आकस्मिक निधन की खबर मिलते ही पूरे पत्रकार जगत में शोक की लहर दौड़ गई और क्षेत्र में गहरा दुख व्याप्त हो गया। डॉ. पटनायक लंबे समय से दैनिक रायगढ़ अंचल से जुड़े हुए थे और अपनी निष्पक्ष, निर्भीक एवं जनहितकारी पत्रकारिता के लिए जाने जाते थे। उन्होंने हमेशा आम जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और प्रशासन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी लेखनी में सच्चाई की ताकत और समाज के प्रति समर्पण साफ झलकता था।उनके निधन से न केवल पत्रकारिता क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है, बल्कि सामाजिक और बौद्धिक जगत ने भी एक सशक्त आवाज खो दी है। वे सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और सकारात्मक सोच के धनी थे, जिनका सभी वर्गों में विशेष सम्मान था।डॉ. पटनायक के निधन पर क्षेत्र के पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। सभी ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी।परिजनों के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार 23 तारिख दोपहर 2 बजे रायगढ़ सर्किट हाउस स्थित मुक्ति धाम में किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचें थे ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति दें।

सांसद राधेश्याम राठिया का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हाटी औचक निरीक्षण

रायगढ़/मूक पत्रिका

स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर गंभीरता दिखाते हुए रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया ने धरमजयगढ़ विकासखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हाटी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए अधिकारियों को कई जरूरी निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सांसद ने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई की स्थिति, दवाइयों की उपलब्धता और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने और मरीजों को समय पर बेहतर इलाज उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। सबसे अहम मुद्दा अस्पताल भवन की जर्जर स्थिति को लेकर सामने आया। भवन की खराब हालत को देखते हुए सांसद ने इसे गंभीरता से लेते हुए शीघ्र मरम्मत कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भवन सुधार कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। सांसद राठिया ने स्पष्ट कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर करना प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने की हिदायत दी।

बिजली खंभे से टकराया 16 वर्षीय बाईक सवार , मौके पर मौत

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

घरघोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम कोटरीमाल में एक बार फिर तेज रफ्तार ने जान ले ली। मेन रोड पर हुए भीषण सड़क हादसे में 16 वर्षीय बाईक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 24 अप्रैल को दोपहर करीब 2 बजे नुराज राठिया (16 वर्ष) मोटरसाइकिल क्रमांक ष्टत्त-13 छ्त्त-3324 चलाते हुए चौधरी दुकान के पास मेन रोड पर पहुंचा। इसी दौरान तेज रफ्तार और लापरवाही के चलते वह वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और सीधे बिजली के खंभे से जा टकराया। युवक को गंभीर चोटें आई और उसने मौके पर ही मौत हो गई । ग्रामीणों के बताये अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि आवाज सुनकर लोगों कि भीड़ जमा हो गई थी। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना कि जानकारी घरघोड़ा पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही घरघोड़ा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की विस्तृत जांच जारी है।

व्यापम द्वारा 26 अप्रैल को होगा मंडी बोर्ड के एसआई भर्ती परीक्षा, परीक्षा 10 बजे प्रारंभ, 9.30 बजे परीक्षा केन्द्र का गेट हो जाएगा बंद, हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने की अनुमति

काले, जामुनी, मैरून, बैगनी के अलावा गहरे रंग के नीले, हरे और चॉकलेटी कपड़ा पहनना वर्जित

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा मंडी बोर्ड के उप निरीक्षक भर्ती का लिखित परीक्षा 26 अप्रैल को सुबह 10 बजे से 12.15 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें छत्तीसगढ़ के 16 जिलों में लाखों अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रवेश पत्र के सभी पेज का प्रिंट आउट लेना होगा। पेज के केवल एक तरफ प्रिंट करें, क्योंकि प्रत्येक परीक्षा हेतु व्यापम की प्रति परीक्षा केंद्र में जमा हो जाएगी। परीक्षार्थी को परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र के साथ पहचान पत्र के रूप में मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, आधार कार्ड जिसमें अभ्यर्थी का फोटो हो, का एक मूल पहचान पत्र परीक्षा दिवस में परीक्षा केंद्र में लाना अनिवार्य होगा। मूल पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं करने पर परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। परीक्षा केन्द्रों में आयोजित परीक्षा में शामिल हो रहे अभ्यर्थी के लिए व्यापम ने निर्देश जारी किया है, जिसके अनुसार परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका प्रिस्किंग एवं फोटोयुक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आये। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपड़े पहनना वर्जित होगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, जूता, पर्स, पाऊच, स्कार्फ बेल्ट, टोपी वर्जित

फुटवियर के रूप में चप्पल पहनें। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घडी, पर्स, पाऊच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है। परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी।

जनगणना: पलायन, नौकरीपेशा या घर से बाहर रहने वालों के लिए वरदान है स्वगणना, 5 दिन शेष, स्वगणना का ऑनलाइन फॉर्म 30 अप्रैल तक स्वयं भर सकते हैं नागरिक

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भारत की जनगणना 2027 कार्यक्रम शुरू हो गया है। यह 15 साल बाद हो रहा है। जो परिवार पलायन किये, नौकरीपेशा, 1 से 30 मई तक घर से बाहर रहने वाले हैं या घर से बाहर रहते हैं उन लोगों के लिए खुशखबरी की बात है। उन्हें जनगणना के लिए घर आने की जरूरत नहीं है, वे जहां है वहीं से जनगणना के फॉर्म को स्वगणना का ऑनलाइन फॉर्म 30 अप्रैल 2026 तक वेबसाईट (एसई डॉट सेंसस डॉट जीओव्ही डॉट इन) पर स्वयं भर सकते हैं, जिसके बाद उन्हें एक विशेष आईडी प्राप्त होगी। गणना कर्मी (प्रगणक) के घर पहुंचने पर यह आईडी दिखाने से पूरी प्रक्रिया कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाएगी। इसके लिए प्रगणक से संपर्क करना चाहिए। डिजिटल प्रक्रिया के तहत पलायन किये या मई में घर पर नहीं रहने वालों को इसका उपयोग किया जाना चाहिए ताकि वे जनगणना से वंचित नहीं हो। जनगणना में जो स्वगणना नहीं किये उनके लिए घर घर जाकर मकान सूचीकरण होगा, जो 1 मई से 30 मई 2026 तक चलेगा। इसके तहत लगभग 33 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें घर की स्थिति, पेयजल, बिजली, शौचालय और अन्य सुविधाओं की जानकारी शामिल होगी। मुख्य जनगणना फरवरी 2027 से शुरू होकर मार्च 2027 तक पूरी की जाएगी। नागरिकों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का आंकलन किया जाएगा।स्व-गणना सिर्फसुविधा है, मजबूरी नहीं। अगर आप ऑनलाइन नहीं भर पाते तो जनगणनाकर्मी पहले की तरह घर आकर फॉर्म भरेंगे।

स्व-गणना से लाभ -डिजिटल जनगणना 2026 में 'स्व-गणना' यानी खुद से फॉर्म भरने की सुविधा दी गई है। इसके नागरिकों और सरकार दोनों को बड़े फायदे हैं।जनगणनाकर्मी के घर आने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। आप रात 10 बजे भी अपने हिसाब से फॉर्म भर सकते हैं। मोबाइल या लैपटॉप से घर बैठे, छुट्टी के दिन, 24×7 फॉर्म भरने की आजादी। लाइन में लगने की झंझट नहीं। आप खुद अपना नाम, उम्र, जन्मतिथि, शिक्षा जैसी जानकारी भरेंगे। जनगणनाकर्मी से बोलने-सुनने में गलती नहीं होगी। फॉर्म सबमिट से पहले दोबारा जांच भी कर सकते हैं। संवेदनशील जानकारी जैसे आय, दिव्यांगता आदि सीधे आप सिस्टम में भरते हैं। घर के बाकी लोगों या पड़ोसी को पता नहीं चलता। फॉर्म भरकर पावती ले लें। जनगणनाकर्मी जब आए तो सिर्फ पावती दिखानी है। 2 मिनट में काम खत्म। नागरिक खुद जानकारी देगा तो त्रुटि दर घटेगी। योजनाएं बनाने के लिए सही डेटा मिलेगा। फील्ड में जनगणनाकर्मी का समय बचेगा। वह सिर्फ वेरिफिकेशन करेगा। पूरी जनगणना जल्दी पूरी होगी।

विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता अभियान: अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा का संदेश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

विश्व भर में 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष इसका आयोजन "Driven to End Malaria: Now We Can. Now We Must" (मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रेरितः अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा) थीम पर आधारित रहा। इसी क्रम में जिले में व्यापक स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन एवं जिला नोडल अधिकारी (NVBDCP) डॉ. बी.एल. राज के देखरेख में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, जिला चिकित्सालय, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर एवं जिला नोडल अधिकारी डॉ. बी.एल. राज द्वारा जन-जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर मलेरिया से बचाव एवं उपचार संबंधी जानकारी लोगों तक पहुंचाएगा। कार्यक्रम में बताया गया कि मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है, जो संक्रमित मादा मच्छर के काटने से फैलती है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द एवं उल्टी शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर मरीजों की तुरंत जांच कर उचित उपचार किया जाना आवश्यक है, जो सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क उपलब्ध है।

अभियान के तहत मुख्य संदेश दिए गए— हर बुखार की जांच कराएं, मलेरिया की पहचान करेंसमय पर जांच और पूर्ण उपचार से मलेरिया से बचाव संभवमच्छरदानी का नियमित उपयोग करेंस्वच्छ वातावरण बनाए रखें और मच्छरों को पनपने से रोकें -इसके साथ ही मच्छर एवं लार्वा नियंत्रण के तहत जमे हुए पानी में मिट्टी का तेल या जला हुआ मोबिल ऑयल डालने, तथा सामान्य मच्छरदानी को कीटनाशक से उपचारित कर उपयोग करने की सलाह दी गई। विश्व मलेरिया दिवस के इस आयोजन के माध्यम से जिले में जन-जन तक जागरूकता का संदेश पहुंचाया गया, जिससे मलेरिया उन्मूलन की दिशा में सामूहिक प्रयासों को और मजबूती मिल सके।

हितग्राही से खरीदा चावल तो बोरे में राईस मिल की स्लिप कैसे? खाद्य विभाग की जांच में खुलासा, पूर्वांचल के 5 राशन दुकानों ने बेचा PDS चावल

रायगढ़/मूक पत्रिका

खाद्य विभाग ने पीडीएस चावल की रीसायक्लिंग कर रहे तस्करों की जानकारी जुटा ली है। काफी दबाव के बावजूद जांच में पाया गया कि चावल दुकान से खरीदा गया है। जांच में तस्कर का पता नहीं लगाया गया है। ड्राइवर के बयान पर ही पूरा मामला समेट दिया गया। ड्राइवर का कहना है कि चावल हितग्राहियों से खरीदा गया लेकिन बोरों में मिलों के स्टिकर ने बयान को झूठा साबित किया है। पीडीएस दुकानों में एक साथ तीन महीने का चावल भेजा जा रहा है। इसलिए रीसायक्लिंग आसान हो गई है।

दुकान संचालक आसानी से चावल बेच रहे हैं। 9 अप्रैल को चक्रधरनगर पुलिस ने जमुना इन चौक में नाकाबंदी कर एक सफेद टाटा योद्धा पिकअप क्रमांक सीजी 13 एएफ 5689 को पकड़ा था। वाहन में 60 बोरी पीडीएस चावल लोड था। गाड़ी बोईरदादर की तरफ से छातामुड़ा की ओर जा रही थी। वाहन मालिक जयनंद मालाकार (36 वर्ष), निवासी सेमरा थाना पुसौर से तस्कर के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। पुलिस ने धारा 106 के तहत कार्रवाई करते हुए 60 बोरी कुल 30 हितग्राहियों से चावल खरीदा था। चावल के बोरों में सात राइस मिलों की स्लिप लगी थी। स्लिप के आधार पर नागरिक आपूर्ति निगम के गोदाम में पूछताछ की गई तो पूर्वांचल के पांच दुकानों का नाम आया। दरअसल दुकानों में मिलों की स्लिप लगे बोरों से चावल पहुंचता है। वहां से वितरण के बाद हितग्राही अपने लाए बोरों में चावल ले जाता है। पीडीएस बोरों का उपयोग धान खरीदी में किया जाता है।

ऑटो में पीडीएस चावल की अफरा-तफरी शुरू

एक साथ तीन महीने का चावल मिलने के कारण हेराफेरी आसान हो गई है। दुकानों से ही चावल मिलों में वापस पहुंच रहा है। इस चावल को दोबारा नान के गोदामों में पहुंचाया जा रहा है। शहर में ऑटोरिक्शा से चावल की तस्करी फिर से शुरू हो चुकी है। पिकअप को पकडऩे के बाद पुलिस और खाद्य विभाग को क्विंटल चावल को जब्त कर प्रकरण खाद्य विभाग की ओर बढ़ा दिया। खाद्य विभाग ने जांच की तो ड्राइवर ने बताया कि उसने चावल तस्कर ने कई फोन करवाए। कई नेताओं ने कार्रवाई नहीं करने का दबाव बनाया।

बरमकेला में चोरी का खुलासा : बस स्टैंड के पास दुकान में सेंधमारी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बरमकेला थाना क्षेत्र में चोरी के एक मामले का पुलिस ने तेजी से खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बस स्टैंड के पास स्थित राधा प्रोविजन दुकान में हुई इस वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल था, लेकिन पुलिस की सक्रियता से मामला जल्द सुलझ गया।

रात में दुकान को बनाया निशाना-जानकारी के अनुसार 22-23 अप्रैल की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने बरमकेला बस स्टैंड के पास स्थित राधा प्रोविजन दुकान में सेंधमारी की। चोर दुकान से मंथन के 20 पैकेट और सागर अमूल स्प्रे के 20 पैकेट चोरी कर फरार हो गए थे। घटना के बाद दुकान संचालक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद जांच शुरू की गई।

पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को दबोचा-पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमीषा पाण्डेय और डीएसपी स्नेहिल साहू के निर्देश पर थाना प्रभारी ए.के. बेक के नेतृत्व में टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। मुखबिर और तकनीकी जानकारी के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में लम्बोदर महंत (27 वर्ष), विकाश दास महंत (31 वर्ष) और संदीप सारथी (22 वर्ष), सभी निवासी लोधिया शामिल हैं।

चोरी का माल बरामद, न्यायिक रिमांड पर भेजे गए आरोपी-पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गया सामान भी बरामद कर लिया है। मामले में थाना बरमकेला में अपराध क्रमांक 45/2026 के तहत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक ए.के. बेक, सहायक उप निरीक्षक राजपूत, प्रधान आरक्षक भवानी धांगर, प्रधान आरक्षक भुनेश्वर पंडा, आरक्षक किरण यादव, अशोक साहू, गोपाल डनसेना, गीता भास्कर, प्यारे लाल सहित थाना बरमकेला के समस्त स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मवेशियों कि लड़ाई हुई पूर्व सरपंच की मौत

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

थाना क्षेत्र में एक हृदयविदारक सड़क हादसे में रायकेरा के पूर्व सरपंच मोमराज राठिया की मौत हो गई। यह हादसा 23 अप्रैल को कोटरीमाल के पास उस समय हुआ, जब वे बाइक से अपने घर लौट रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, अचानक सड़क पर दो मवेशी आपस में लड़ते हुए उनकी बाइक से टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोमराज राठिया बाइक से उछलकर सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल डायल 112 को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि करीब आधे घंटे तक मदद मौके पर नहीं पहुंच सकी। घायल अवस्था में अकेले पड़े मोमराज राठिया के सिर में गहरी चोट लगी थी, जिससे उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई।बाद में उन्हें घरघोड़ा से रायगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान वे कोमा में चले गए। लगातार प्रयासों के बावजूद डॉक्टरों की टीम उन्हें बचा नहीं सकी और इलाज के दौरान आज 25 अप्रैल 2026 को लगभग सुबह 8 बजे के आसपास मौत हो गई ।

बरमेकला में ओपी ने 1 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और 9 लाख का किया भूमिपूजन

वित्त मंत्री ने गोबरसिंहा, साल्हेओना मानिकपुर बड़े, विश्वासपुर, बरगांव में करोड़ों के विकास कार्यों को किया साकार

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

वित्त मंत्री और रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने गुरुवार संध्या में अपने विधानसभा क्षेत्र में शामिल बरमेकला ब्लॉक के ग्राम पंचायत गोबरसिंहा में कई विकास कार्यों को साकार किया है। उन्होंने कहा कि जब तक मेरी सांस चलती रहेगी। मैं विकास के लिए कार्य करुंगा चाहे इसके लिए मुझे जीतना भी मेहनत क्यों न करना पड़े, मैं पीछे नहीं हटूंगा। आप लोग के आशीर्वाद ही मुझे विकास कार्य करने में ताकत देती है वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दौरे में शामिल गोबरसिंहा, साल्हेओना मानिकपुर बड़े, विश्वासपुर, बरगांव सभी गावों में सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना कर विभिन्न कार्यों के लोकार्पण किया। किसानों द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू होने पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी को सरसों से तौला गया। साथ ही केला से भी तौला गया। दौरे में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, उपाध्यक्ष अजय नायक, सत्ताधारी दल के जिलाध्यक्ष ज्योति पटेल, डॉ. अभिलाषा नायक, जनपद अध्यक्ष विद्या चौहान, जनपद सभापति गणेशी चौहान, सरिता मुरारी नायक, रामकुमार नायक, कमलेश स्वर्णकार, कैलाश पंडा, मनोहर पटेल, सरपंच उपस्थित थे। विकास कार्यों में जिला खनिज संस्थान न्यास योजनांतर्गत स्वीकृत सी.सी. रोड निर्माण कार्य फुरसो घर से लक्ष्मीनारायण घर तक स्वीकृत राशि 10 लाख का लोकार्पण, नाली निर्माण कार्य (बाजार परिसर में) स्वीकृत राशि 10 लाख, गौण खनिज मद योगनांतर्गत स्वीकृत ङ्क सी.सी. रोड निर्माण कार्य (बाजार परिसर में) स्वीकृत राशि 13 लाख , गौण खनिज मद योगनांतर्गत स्वीकृत बाजार परिसर में रोड का मरम्मत (जीर्णोद्धार कार्य) स्वीकृत राशि ङ्क 5 लाख लोकार्पण, मनरेगा अग्रवाल, प्रदीप सतपथी, रानू योगनांतर्गत स्वीकृत समुदाय के लिए चेक डेम निर्माण कार्य कटंगी नाला में स्वीकृत राशि ङ्क 14.46 लाख, जिला खनिज संस्थान न्यास योजनांतर्गत स्वीकृत सी.सी. रोड निर्माण कार्य (बीच बस्ती बाजार परिसर में) स्वीकृत राशि ङ्क 10 लाख लोकार्पण साथ ही साल्हेओना में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र सीएसससी भवन निर्माण कार्य 5 लाख, शेड निर्माण 10 लाख, विश्वासपुर में सांस्कृतिक मंच निर्माण 3 लाख, सामुदायिक भवन निर्माण 15 लाख शामिल है। वित्त मंत्री ने मानिकपुर बड़े सहित इन सभी गांवों में 10-10 लाख रूपये के कार्यों को स्वीकृत करने की घोषणा की, वहीं विश्वासपुर राधा माधव मंदिर में 20 लाख के कार्य की स्वीकृति की घोषणा की।

शराब के शौकीन परेशान, नहीं मिलता है मनपंसद ब्रांड

रायगढ़/मूक पत्रिका

यदि आप शराब पीने के शौकीन हैं। आपकी किसी ब्रांड विशेष में रूचि है। आप छत्तीसगढ़ में रहते हैं। तो आप किसी होटल के बार में जाकर बैठें। शराब की दुकान पर आपको अपनी मर्जी की नहीं दुकानदारों के मर्जी की ब्रांड मिलेगी। बात ये रायगढ़ की है शराब की दुकानों पर चर्चित व नामदार ब्रांड की शराब तो बिल्कुल ही गायब है। यहां दुकानों पर रोज ब्रांड बदल जाया करती है। छत्तीसगढ़ में जब से शराब का सरकारीकरण हुआ है तब से ही दुकानों पर अजीब-अजीब किस्म की ब्रांड बिक्री के लिए उपलब्ध होती रही है। अंग्रेजी व देसी ब्रांड की नामदार शराबों को यहां रखा ही नहीं जाता। वैसी शराबों को तरजीह दी जाती रही जिसे लोग जानते तक नहीं।जिन शराबों को लोग जानते और पसंद करते हैं उनकी सप्लाई बार में कर दी जाती है

सरकार बदली पर व्यवस्था नहीं

शराब के ब्रांड को लेकर शराब प्रेमियों की शिकायत पहले से ही थी। लोगों का कहना था कि पहले सरकार के एक मंत्री की कंपनी की शराब बियर व देसी दारू ही दुकानों पर बेची जाती है पर अब सरकार तो बदल गई पर व्यवस्था वैसी ही है। अच्छी ब्रांड की शराब दुकानों पर अभी भी नहीं रखी जा रही है।

आयुक्त क्षत्रिय ने किया कार्यालय का औचक निरीक्षण अनुपस्थित पर एक कर्मचारी सस्पेंड

- आयुक्त ने सुबह पहुंचकर वाहन विभाग के कर्मचारियों एवं स्वक्षता कमांडो की स्वयं लिया अटेंडेंस

रायगढ़/मूक पत्रिका

नगर निगम आयुक्त श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय ने आज सुबह नगर निगम के वाहन विभाग एवं कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वयं स्वच्छता कमांडो सहित वाहन विभाग के ड्राइवर, खलासी एवं अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज की। इसी तरह लगातार अनुपस्थिति कार्यालय व्यवस्था प्रभावित पाए जाने पर रोशन सोना को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि नगर निगम की सेवाओं में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आयुक्त श्री क्षत्रिय ने आम नागरिकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर निगम कार्यालय की कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव करने का निर्णय लिया। उन्होंने कार्यालय का विस्तृत निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण में यह सामने आया कि नगर निगम के विभिन्न विभाग अलग-अलग स्थानों पर संचालित होने के कारण नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए आयुक्त ने टेक्निकल विभाग से जुड़े सभी कार्यों को एक ही छत के नीचे नए पानी टंकी के नीचे कार्यालय बनाकर संचालित करने के निर्देश दिए, जिससे नागरिकों को त्वरित एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

आयुक्त श्री क्षत्रिय कहा कि कार्यालय का नया स्वरूप ऐसा विकसित होना चाहिए, जहां आमजन को सभी आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर आसानी से प्राप्त हों और उनकी समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

सट्टा खाईवाल एजाज खान ने भी कोतवाली पुलिस के सामने किया सरेंडर, सट्टा नेटवर्क पर रायगढ़ पुलिस की लगातार चोट

रायगढ़/मूक पत्रिका

एसएसपी श्री शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर जिले में चलाए जा रहे ÷ऑपरेशन अंकुश÷ के प्रभाव से जुआ-सट्टा कारोबारियों में लगातार दबाव बन रहा है। इसी कड़ी में रायगढ़ का एक और बड़ा सट्टा खाईवाल एजाज खान निवासी पतरापाली रायगढ़ ने कोतवाली पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया है। जुआ-सट्टा के खिलाफरायगढ़ पुलिस की सख्त और लगातार कार्रवाई के चलते पूर्व में दो बड़े खाईवाल पप्पू बरेठ और शहनवाज उर्फ सानू द्वारा आत्मसमर्पण किया जा चुका है, वहीं अब सानू का साला और सट्टा नेटवर्क से जुड़ा बड़ा नाम एजाज खान भी पुलिस के सामने सरेंडर करने को मजबूर हुआ है। जानकारी के मुताबिक 31 मार्च को मुखबिर सूचना पर कोतवाली पुलिस ने बापूनगर निवासी नरेंद्र दीप को सट्टा पट्टी लिखते रंगे हाथ पकड़ा था। उसके कब्जे से मोबाइल, 2070 रुपये नगद और सट्टा पट्टी जब्त की गई थी। पूछताछ में नरेंद्र दीप ने कमीशन पर सट्टा लिखना और इसके पीछे खाईवाल शहनवाज उर्फ सानू तथा एजाज खान के नेटवर्क का खुलासा किया था। इस आधार पर कोतवाली पुलिस ने जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4, 6 के तहत प्रकरण क्रमांक 174/2026 दर्ज कर नरेंद्र दीप के साथ शहनवाज और एजाज खान को आरोपी बनाया था। नरेंद्र दीप को पूर्व में रिमांड पर भेजा गया था जबकि दोनों खाईवाल फरार थे। रायगढ़ पुलिस की लगातार दबिश और ÷ऑपरेशन अंकुश÷ के दबाव में पहले शहनवाज उर्फ सानू ने सरेंडर किया और अब कल आरोपी एजाज खान पिता मो. हुसैन उम्र 30 साल निवासी टीपी नगर पतरापाली थाना कोतरारोड़ ने भी कोतवाली पहुंचकर आत्मसमर्पण किया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। लगातार हो रही कार्रवाई से साफ है कि रायगढ़ पुलिस सिर्फ सट्टा पट्टी लिखने वालों तक सीमित नहीं है बल्कि पूरे नेटवर्क और खाईवालों पर सीधी चोट कर रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक सुखनंदन पटेल, उप निरीक्षक ऐनु देवांगन एवं हमराह स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बस्तर के युवाओं को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

विवेकानंद स्कूल में एआई और रोबोटिक्स प्रशिक्षण, कलेक्टर ने विद्यार्थियों से किया संवाद

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बस्तर के युवाओं को आधुनिक तकनीकों और डिजिटल युग की नई संभावनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से संजय मार्केट के समीप स्थित विवेकानंद स्कूल सेजसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई और उभरती तकनीकों पर आधारित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बस्तर कलेक्टर आकाश छिक्कारा ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें तकनीकी नवाचार और रचनात्मक सोच के लिए प्रेरित किया। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को 21वीं सदी के आवश्यक कौशल जैसे समस्या समाधान, रचनात्मकता और तकनीकी समझ से सशक्त बनाना रहा। इस बैच में 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया और शिक्षकों को भी प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन द पाई जैम फाउंडेशन द्वारा किया गया, जबकि इसके प्रभावी क्रियान्वयन एवं निगरानी में पीपीआईए फेलो की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को डिजाइन थिंकिंग के माध्यम से वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान कर उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करने की जानकारी दी गई। साथ ही छात्रों ने एआई की मूल अवधारणाएं, कंप्यूटर विजन, डेटा प्रेडिक्शन और तकनीक के नैतिक उपयोग जैसे विषयों को भी विस्तार से समझा।

कार्यशाला का व्यावहारिक पक्ष विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। छात्र-छात्राओं ने आर्डुइनो और बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स की सहायता से छोटे-छोटे प्रोजेक्ट तैयार किए तथा तकनीक के उपयोग से दैनिक जीवन की समस्याओं के समाधान का अनुभव प्राप्त किया।

बस्तर में आयोजित यह अभिनव पहल विद्यार्थियों को डिजिटल युग की चुनौतियों और अवसरों के अनुरूप तैयार करने के साथ-साथ उन्हें नवाचार और तकनीकी नेतृत्व की दिशा में प्रेरित करने वाला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 'राष्ट्रीय वित्तीय दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों मे विधिक जागरूकता शिविर का अयोजन किया गया।

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा संचालित ÷स्टेट प्लान ऑफ एक्शन कैलेंडर 2026-27÷ के अनुसार 'राष्ट्रीय वित्तीय दिवस दिनांक 25.04.2026 के अवसर पर माननीय अध्यक्ष/प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती सरोज नंद दास के मार्गदर्शन में व श्रीमती स्वर्णलता ओम यादव, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति में भारतीय स्टेट बैंक स्वरोजगार एवं प्रशिक्षण संस्थान चोरभट्ठी, शासकीय जिला चिकित्सालय बेमेतरा, ग्राम खाल्हेदेवरी एवं प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र सरदा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में सचिव महोदय द्वारा वित्तीय दिवस पर लोगों को पैसे के सही उपयोग, बचत, निवेश, और सही जगह पर निवेश के बारे में जानकारी देते हुए धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताया गया। बैंकिंग और डिजिटल पेमेंट की प्रति जागरूक रहने प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आय का एक हिस्सा नियमित रूप से बचत करने और अपने भविष्य को मजबूत बनाने में उपयोग करने की जानकारी देते हुए आगामी नेशनल लोक अदालत दिनांक 09 मई, 2026 में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु निम्न प्रकृति के प्रकरण जैसे न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य आपराधिक मामले, चेक बाउन्स संबंधी न्यायालय में लंबित प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, वैवाहिक / पारिवारिक विवाद संबंधी, सिविल वाद, बिजली व पानी बिल बकाया संबंधी विवाद आपदा प्रबंधन क्षतिपूर्ति संबंधी विवाद के निराकरण किये जाने के संबंध में जानकारी प्रदान किया गया। उक्त जागरूकता कार्यक्रम में अधिकार मित्र (पी0एल0व्ही0) श्री पंकज कुमार घृतलहरे, श्री संजीव शर्मा, श्री धरमू बारले, सुश्री स्वाति कुंजाम, श्री पवन साहू, श्री देवेन्द्र यादव व टुवेन्द्र वर्मा उपस्थित रहे।

संपादकीय

रफ्तार पर भारी पड़ती मौत की राह ...

देश में सड़कों की कुल लंबाई का केवल दो फीसदी राष्ट्रीय राजमार्ग है, लेकिन सड़क हादसों में होने वाली मौत की कुल संख्या में इनकी हिस्सेदारी करीब तीस फीसदी तक पहुंच गई है।इसमें दोराय नहीं कि देश के विकास के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार बेहद जरूरी होता है। आम लोगों के लिए जीवनरेखा मानी जाने वाली सड़कों का निर्माण भी इसी श्रेणी में आता है। देश में पिछले कुछ वर्षों में नई सड़कें बनाने की गति निश्चित रूप से तेज हुई है, लेकिन इसके साथ ही हादसों का सिलसिला भी बदस्तूर जारी है। विशेषकर उच्च तकनीक की मदद से तैयार किए जा रहे एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग चमकदार एवं सुविधाजनक जरूर दिखते हैं, मगर ये सुरक्षित सफर की कसौटी पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं।देश में सड़कों की कुल लंबाई का केवल दो फीसदी राष्ट्रीय राजमार्ग है, लेकिन सड़क हादसों में होने वाली मौत की कुल संख्या में इनकी हिस्सेदारी करीब तीस फीसदी तक पहुंच गई है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर गंभीर चिंता जताते हुए केंद्र, राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों को सड़क सुरक्षा मजबूत करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा कि प्रशासनिक सुस्ती या बुनियादी ढांचे की कमियों के कारण एक्सप्रेस-वे खतरे का गलियारा नहीं बनने चाहिए।गौरतलब है कि देश में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के सरकार के दावों के बावजूद इनमें साल दर साल बढ़ोतरी हो रही है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2019 में देश में 4.56 लाख सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें लगभग 1.59 लाख लोगों की मौत हो गई। वर्ष 2020 के कोरोनाकाल में पूर्णबंदी के कारण सड़क हादसों में कुछ कमी आई, लेकिन उसके बाद वर्ष 2021 में करीब 4.2 लाख, 2022 में 4.61 लाख और 2023 में 4.80 लाख दुर्घटनाएं हुईं। यानी पांच वर्षों में 21 लाख से ज्यादा सड़क हादसों में करीब आठ लाख लोगों की मौत हो गई। यह आंकड़ा वास्तव में चिंताजनक है, लेकिन इसमें कमी लाने के प्रयास सरकारी कागजों से बाहर निकलकर धरातल पर प्रभावी रूप से अमल में आते नजर नहीं आ रहे हैं। सड़कों पर जिन खतरों को टाला जा सकता है, अगर उनकी वजह से लोगों की जान जाती है, तो यह स्पष्ट रूप से नागरिकों की सुरक्षा में व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है।हाल के दिनों में यह देखा गया है कि सड़क पर अवैध रूप से वाहन खड़ा करना दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भोजनालयों की बढ़ती संख्या भी इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है, जहां वाहनों को सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़ा कर दिया जाता है। संबंधित महकमे की ओर से ऐसे भोजनालयों को जोखिम का आकलन किए बिना ही अनुमति दे दी जाती है। इसी के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय ने अपने दिशा-निर्देशों में कहा है कि संबंधित प्राधिकरण और नियामकीय एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित स्थलों को छोड़कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों को कहीं भी खड़ा या रोका नहीं जाएगा।नियमानुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात पुलिस की नियमित गश्त का प्रावधान है, लेकिन इसमें भी विभिन्न स्तरों पर लापरवाही साफ दिखती आती है। इसके अलावा, राजमार्गों पर वाहनों की तेज गति, सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामी और संकेतकों का अभाव एवं अस्पष्टता भी दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं।

पृथ्वी दिवस -समुद्री धाराओं पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, धरती सोख नहीं पा रही गर्मी

यदि यह प्रवाह और धीमा होता है या रुक जाता है, तो यह पृथ्वी के मौसम पैटर्न को पूरी तरह से बदल सकता है। इससे उत्तरी गोलार्ध के कुछ हिस्सों में अचानक तापमान गिर सकता है, जबकि भूमध्य रेखा के आसपास के क्षेत्रों में गर्मी और भी बढ़ सकती है।

(उत्तम सिंह गहरवार)

सागरों-महासागरों में बहने वाली जल-धाराएं पृथ्वी की जलवायु प्रणाली में काफी अहम भूमिका निभाती हैं। इन धाराओं के जरिये होने वाला जल-प्रवाह पृथ्वी के विभिन्न भागों के बीच गर्मी का आदान-प्रदान करके पूरी धरती के तापमान को संतुलित रखने में मदद करता है। चिंता की बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण ये समुद्री धाराएं धीमी पड़ती जा रही हैं, जिसके गंभीर परिणाम हमें आने वाले समय में मौसम में बदलाव और क्लाइमेट चेंज के रूप में देखने को मिल सकते हैं।

भूविज्ञानियों के मुताबिक अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) नामक प्रमुख समुद्री धारा प्रणाली पिछले कुछ दशकों में कमजोर हुई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र के पानी में मीठे पानी की मात्रा बढ़ रही है।

इससे समुद्री जल का घनत्व प्रभावित होने से धाराओं का प्रवाह धीमा पड़ रहा है। यदि यह प्रवाह और धीमा होता है या रुक जाता है, तो यह पृथ्वी के मौसम पैटर्न को पूरी तरह से बदल सकता है। इससे उत्तरी गोलार्ध के कुछ हिस्सों में अचानक तापमान गिर सकता है, जबकि भूमध्य रेखा के आसपास के क्षेत्रों में गर्मी और भी बढ़ सकती है। इसके अलावा, मानसून चक्र बाधित हो सकता है, जिससे कृषि और पेयजल आपूर्ति पर काफी बुरा असर पड़ सकता है।

'पृथ्वी' में क्या-क्या है शामिल- इस साल विश्व पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) की थीम 'हमारी शक्ति - हमारा ग्रह' रखी गई है। इसी ध्येय वाक्य के साथ अर्थ डे को पूरे विश्व में मनाया जाएगा। पृथ्वी यानी धरती का मतलब अकसर लोग केवल भूमि यानी धरती के भू-भाग से समझ लेते हैं। जबकि, वास्तव में पृथ्वी एक व्यापक शब्द है, जिसके दायरे में थल के साथ-साथ जल यानी हमारे सागर-महासागर और नभ यानी हमारा वायुमंडल भी आता है। क्योंकि इनके बिना पृथ्वी जीवंत नहीं रह सकती।

इसलिए जल, थल, नभ, नदी, झीलें, तालाब, कुएं, भूमि, वन, वन्य प्राणी, सागर, महासागर जैसी सभी चीजों को पृथ्वी शब्द के साथ जोड़कर देखा जाना चाहिए। क्योंकि, यह सब इस धरती पर अस्तित्व में शामिल हैं। ऐसे में पृथ्वी दिवस पर धरती के भूभाग के संरक्षण के साथ ही अपने वायुमंडल और सागरों-महासागरों की स्थिति पर भी गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (एसीसी) का महत्व- आइए, अब लौटते हैं समुद्री जल-धाराओं के अपने अपने मूल विषय पर। 'द कन्वरसेशन' के एक अध्ययन के अनुसार, पृथ्वी की सबसे शक्तिशाली समुद्री धारा अंटार्कटिका के चारों ओर बहती है। इसे अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (एसीसी) कहते हैं। इसे वेस्ट विंड ड्रिफ्ट भी कहा जाता है। यह दुनिया की इकलौती ऐसी समुद्री जलधारा है, जिसका प्रवाह महाद्वीपों से बाधित नहीं होता। यह धरती के तीन सबसे बड़े महासागरों अटलांटिक, प्रशांत और हिंद महासागर के बीच पानी के आदान-प्रदान का मुख्य चैनल है। इस तरह यह धारा दुनिया के मौसम का मिजाज तय करने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और उसे ठीक रखने में मदद करती है।

धीमी पड़ रही सबसे ताकतवर धारा एसीसी- एक हालिया रिसर्च में पता चला है कि एसीसी का प्रवाह अगले 25 सालों में धीमा पड़ सकता है। इससे समुद्री जीवन और समुद्र के बढ़ते जल स्तर के साथ-साथ धरती की वातावरण से गर्मी सोखने की क्षमता पर भी बुरा असर पड़ सकता है। गणितीय मॉडल बताते हैं कि 2050 तक एसीसी की रफ्तार में 20 फीसदी तक की कमी आ सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत ज्यादा होता है, तो 2050 तक इस धारा का प्रवाह मंद पड़ने के कारण अंटार्कटिक बर्फ की चादरों के पिघलने से समुद्र में मिलने वाला पानी सागर के खारे पानी को पतला कर देगा। इससे दुनिया की सबसे असरदार और महत्वपूर्ण समुद्री धाराओं में से एक एसीसी का प्रवाह बाधित हो सकता है।

अमेजन नदी से 100 गुना ताकतवर- रिसर्चरों के अनुसार एसीसी अमेजन नदी से 100 गुना ज्यादा शक्तिशाली है। यह दुनिया के महासागरों में गर्मी और पोषक तत्वों को फैलाती है। पर, चिंता की बात यह है कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण दक्षिणी महासागर के हालात तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में अगर एसीसी के प्रवाह में कोई रुकावट आती है, तो महासागरों की गर्मी और कार्बन सोखने की क्षमता घट जाएगी। इससे जलवायु को नियंत्रित और बैलेंस करने की उनकी क्षमता कमजोर हो जाएगी।

वैज्ञानिकों की सख्त चेतावनी- ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे के एक समुद्र विज्ञानी माइकल मेरेडिथ के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग से होने वाली 90 प्रतिशत से ज्यादा गर्मी समुद्र में जाती है। उन्होंने कहा कि अगर यह प्रक्रिया धीमी हो जाती है, तो ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए हमारे पास जो सबसे बड़ा सहारा है, वह खत्म हो जाएगा। कई अन्य रिसर्च रिपोर्ट्स में भी एसीसी के धीमे पड़ने का पूरे महासागरीय प्रवाह सहित समूची धरती की जलवायु पर भी गहरा असर पड़ सकता है।

तेजी से पिघल सकती है अंटार्कटिका की बर्फ - एसीसी धारा अगर कमजोर पड़ गई, तो गर्म पानी अंटार्कटिका पर जमी बर्फ की चादरों के करीब आ जाएगा। इससे अंटार्कटिक के ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र में मिलने लगेंगे। रिसर्चरों के अनुसार बर्फ के तेजी से पिघलने से यह धारा और कमजोर हो सकती है। इससे तापमान में बदलाव और जलवायु परिवर्तन का एक बुरा चक्र शुरू हो जाएगा। अंटार्कटिक की बर्फ तेजी से पिघलने से समुद्र का जल-स्तर भी बढ़ जाएगा, जिससे धरती के कई निचले भूभागों के जल में समाने का खतरा पैदा हो जाएगा।

गर्मी बढ़ने की आशंका हुई 30 गुनी- वैज्ञानिक दुनिया भर में पड़ रही भीषण गर्मी को विनाश का संकेत मान रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक भौगोलिक तौर पर भारत के बहुत बड़े हिस्से को एक झटके में प्रभावित करने वाली हीट वेव यानी लू अब तक 100 साल में कभी एक बार चलती थी, पर अब इसमें बढ़ोतरी देखी जा रही है। अब तो यह लू भारत के अलावा दुनिया के कई देशों को प्रभावित कर रही है। यहां तक कि दुनिया के कई ठंडे देशों में भी भीषण गर्मी का अनुभव हो रहा है। समुद्री धाराओं में बदलाव के चलते हो रहे इस जलवायु परिवर्तन से गर्मी के बढ़ने की आशंका 30 गुना तक बढ़ी है।

बढ़ती गर्मी धरती को कर रही बीमार- हाल ही के कई शोध अध्ययनों के आधार पर वैज्ञानिक कहते हैं कि बीते कुछ दशकों में हुई तापमान वृद्धि से धरती रुग्ण होती जा रही है। धरती का तापमान सन् 1850-1900 की औद्योगिक क्रांति से पहले के औसत तापमान की तुलना में 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस ऊपर जाने की सीमा को पार करने के करीब है। तापमान में यह तेज बदलाव हम लोगों को गर्मी से होने वाले जलवायु परिवर्तन जैसी मुश्किलों की तरफ धकेल रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बढ़ते तापमान के लिए इंसानी गतिविधियों के चलते मौसम में हो रहे बदलाव ही सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं। यह अस्थायी तौर पर अल-नीनो इफेक्ट को हवा दे रहा है।

पृथ्वी के संरक्षण में हम भी दें योगदान- इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पृथ्वी दिवस को लेकर देश और दुनिया में जागरूकता का भारी अभाव है। सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर इस दिशा में कोई खास महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। पहले पूरी दुनिया में साल में दो दिन - 21 मार्च और 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया जाता था, लेकिन वर्ष 1970 से 22 अप्रैल को ही पृथ्वी दिवस मनाया जाना तय किया गया है। इस एक दिन भी धरती को बचाने के लिए हमें लोगों की ओर से कोई बड़ी पहल होती देखने को नहीं मिलती।ऐसे में हम सभी को इसमें कुछ न कुछ प्रयास करना पड़ेगा। तभी हम जिस धरती पर रह रहे हैं, उसे रहने लायक बनाए रख सकते हैं। 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस के मौके पर अमेरिका में वृक्ष दिवस मना कर लोग अपने घरों के आसपास पौध रोपण करते हैं। हमें भी अपनी ओर से इस तरह के छोटे-छोटे प्रयास करके धरती की सेहत को सुधारने की कोशिशें करनी चाहिए।

पति पत्नी और वो 2- 'सब कुछ बदलता है, पतियों की फितरत नहीं' चीटिंग को नॉर्मलाइज करती एक और फिल्म?

(ज्योति जैसवाल)

पति पत्नी और वो दो का टीज़र आज रिलीज हुआ है, फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'एक ही चीज है जो नहीं बदलती है पतियों की फितरतज' आयुष्मान खुराना, रकुल प्रीत सिंह, वामिका गब्बी और सारा अली खान की फिल्म 'पति, पत्नी और वो दो' का टीज़र आज रिलीज हुआ है। इसे देखते ही सबसे पहला सवाल यही उठता है- क्या फिल्में सिर्फ समाज का आईना होती हैं या फिर उसे इंफ्लुएंस भी करती हैं। भारत में सिनेमा हमेशा से रिश्तों और प्यार को बड़े पर्दे पर अलग-अलग तरीकों से दिखाता आया है। हमारे यहां तो लोग प्यार का सबक भी फिल्मों से ही सीखते हैं और सिनेमा से बहुत हद का प्रभावित होते हैं।

फिल्म स्टडीज़ जैसे GerbnerÓs Cultivation Theory में यह माना जाता है कि मीडिया लंबे समय में सोच को प्रभावित कर सकता है, इसका सीधा और तुरंत असर भले नहीं होता है मगर धीरे-धीरे फिल्में सामाजिक धारणाओं और सोच को आकार देती हैं।

यहां 'पति, पत्नी और वो', 'घरवाली बाहरवाली', 'बीवी नंबर 1', 'साजन चले ससुराल' जैसी फिल्मों में अक्सर पुरुषों के एक्स्ट्रामैरिटल रिलेशनशिप को या तो गलती के तौर पर दिखाया गया या फिर हालात की मजबूरी बताकर पेश किया गया। और अपने लिए आवाज उठाने वाली महिला को कई बार पुराने सिनेमा में निगेटिव शेड में दिखाया गया।

आज के समय में, जब रिश्तों को लेकर लोगों की सोच पहले से ज्यादा कॉम्प्लिकेटेड हो रही है, वहीं दूसरी तरफ डेटिंग और रिलेशनशिप से जुड़े नए ऐप्स भी सामने आ चुके हैं- जिनमें से कुछ खास तौर पर शादीशुदा लोगों के लिए बनाए गए हैं। ऐसे में जब समाज में पहले से ही चीटिंग और रिश्तों की अस्थिरता को लेकर इतनी चर्चाएं हैं, उस वक्त इस तरह की फिल्में सवाल तो खड़े करती हैं।

मीडिया रिसर्च के अनुसार, दर्शक फिल्मों को अपनी निजी सोच, अनुभव और सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर अलग-अलग तरीके से समझते हैं। इसलिए जरूरी नहीं है कि इस तरह के सिनेमा से लोग सीधे तरह से इंस्पायर होकर चीटिंग करने लगेंगे मगर इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि अगर किसी के मन में ऐसे विचार हैं तो ऐसी फिल्में उन विचारों को बढ़ावा जरूर दे सकती हैं।

टीज़र की शुरुआती लाइन ही है- 'एक ही चीज है जो नहीं बदलती, पतियों की फितरत' और इसका अंत यह कहकर होता है कि 'पतियों का यूनिवर्स 15 मई 2026 को दिखेगा', ये इस बात की ओर इशारा करता है कि फिल्म इस नैरेटिव को आगे बढ़ा रही है कि पति और मर्द तो ऐसे ही होते हैं।

यानी कि फिल्म ये पहले से ही नॉर्मलाइज कर रही है कि पतियों का यूनिवर्स है, जहां पतियों की फितरत नहीं बदलती है। इस तरह से ये लोगों की सोच को भी शेप कर रही है- पति तो ऐसे ही होते हैंज्पत्नियां तो अंत में माफ कर देती हैं। मर्दों की तो फितरत ही होती है कि पत्नी के अलावा भी दूसरी अच्छी लगती हैं।

अभी हाल ही में मशहूर कोरियोग्राफर शक्ति मोहन ने भी एक इंटरव्यू में कहा था कि जब उन्हें 3 साल के रिलेशनशिप में चीटिंग मिली तो उनकी मां ने कहा था कि लड़का अच्छा है, और लड़के तो ऐसे ही होते हैं, तुम माफ करके उसके साथ आगे बढ़ो।

यानी कि ये सोच भीतर तक बैठ चुकी है कि लड़के तो ऐसे ही होते हैं उन्हें चीटिंग के लिए माफ किया जा सकता है।

इस वजह से भी ये सवाल उठते हैं- अगर साल 2026 में भी इसी तरह की फिल्में बनती रहेंगीज जहां पुरुषों के एक्सट्रामैरिटल को मजाक की तरह परोसा जाएगा और पुरुष तो ऐसे ही होते हैं कहा जाएगा तो कहीं ना कहीं ऐसा महसूस होने लगता है कि सिनेमा चीटिंग को नॉर्मलाइज कर रहा है। यह लेख लेखक की निजी राय और समझ पर आधारित है। इसका मकसद किसी व्यक्ति, जेंडर, फिल्म या समूह को निशाना बनाना नहीं है।

बढ़ते तापमान के बीच संकट में खेती, समय रहते संभलना जरूरी

विकास की तीव्र आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विश्व की अधिकांश आबादी के लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाएगा। वर्ष 2030 तक भुखमरी को खत्म करने का हमारा लक्ष्य भी अधूरा रह सकता है। गौरतलब है कि देश में पिछले चालीस वर्षों में वर्षा की मात्रा में निरंतर गिरावट आ रही है। बीसवीं सदी के आरंभ में औसत वर्षा 141 सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में घट कर 119 सेंटीमीटर रह गई है। गंगोत्री हिमनद भी प्रतिवर्ष सिकुड़ रहा है। नदियों में जल कम हो रहा है। पानी की कमी के कारण खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है।

(रवि शंकर)

एक तरफ जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, तो दूसरी ओर अप्रत्यक्ष प्रभाव आय की हानि और अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में देखने को मिल रहा है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन वैश्विक मुद्दे के रूप में उभरा है। यह कोई एक देश या राष्ट्र से संबंधित अवधारणा नहीं है, बल्कि एक वैश्विक अवधारणा है जो समस्त पृथ्वी के लिए चिंता का कारण बनती जा रही है। देखा जाए तो जलवायु परिवर्तन से भारत सहित पूरी दुनिया में बाढ़, सूखा, कृषि संकट एवं खाद्य सुरक्षा के साथ बीमारियों का भी खतरा बढ़ा है। हालांकि, भारत की बड़ी आबादी (लगभग साठ फीसद) आज भी कृषि पर निर्भर है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से आज कृषि भी अछूती नहीं है। इसलिए खेती पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखना बहुत जरूरी है। बदलते मौसम के प्रभाव से केवल फसलों का ही उत्पादन प्रभावित नहीं हो रहा है, बल्कि उनकी गुणवत्ता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। यह देश की खाद्य सुरक्षा के लिए एक अहम चुनौती है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान, सूखा, बाढ़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी के कारण मध्य-पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है। बदलते पर्यावरण के कारण खेती के सामने बड़ा संकट है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2040 तक तापमान 1.5 डिग्री तक बढ़ता है, तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर असर पड़ेगा। बढ़ते कार्बन उत्सर्जन से इस शताब्दी में दुनिया भर में भुखमरी, बाढ़ और नागरिकों का पलायन बढ़ने की बात कही जा रही है। अगर तापमान में बढ़ोतरी होती है, तो एशियाई देशों में कृषि पैदावार तीस फीसद तक नीचे आ सकती है। विकास की तीव्र आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विश्व की अधिकांश आबादी के लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाएगा। वर्ष 2030 तक भुखमरी को खत्म करने का हमारा लक्ष्य भी अधूरा रह सकता है। गौरतलब है कि देश में पिछले चालीस वर्षों में वर्षा की मात्रा में निरंतर गिरावट आ रही है। बीसवीं सदी के आरंभ में औसत वर्षा 141 सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में घट कर 119 सेंटीमीटर रह गई है। गंगोत्री हिमनद भी प्रतिवर्ष सिकुड़ रहा है। नदियों में जल कम हो रहा है। पानी की कमी के कारण खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है।

एक तरफ जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, तो दूसरी ओर अप्रत्यक्ष प्रभाव आय की हानि और अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में देखने को मिल रहा है। जबकि फसलों की उपज बढ़ाने में उपजाऊ मिट्टी, पानी, अनुकूल वातावरण और कीट-पतंगों से बचाव आदि का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है, लेकिन इनमें से किसी भी मानक में परिवर्तन होने से फसलों की पैदावार प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले कई दशकों में तापमान बढ़ता गया है।

कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिन्हें एक विशेष तापमान की आवश्यकता होती है। वायुमंडल में तापमान बढ़ने पर उनकी उपज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जैसे गेहूं, सरसों, जौ और आलू आदि इन फसलों को कम तापमान की आवश्यकता होती है। तापमान का बढ़ना इनके लिए हानिकारक होता है। इसी प्रकार, ज्यादा तापमान बढ़ने से मक्का, ज्वार और धान आदि फसलों का नुकसान हो सकता है, क्योंकि ज्यादा तापमान के कारण इन फसलों में दाना नहीं बनता या फिर कम बनता है।

जलवायु परिवर्तन खाद्य सुरक्षा के सभी चार आयामों- खाद्य उपलब्धता, खाद्य पहुंच, खाद्य उपयोग और खाद्य प्रणाली स्थिरता को प्रभावित करेगा। यदि धरातल का तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा, तो हमारे सामने भोजन का संकट उत्पन्न हो जाएगा। तापमान की बढ़ती गति को देखें, तो आंकड़े बताते हैं कि इस सदी के अंत तक धरती का तापमान 3.7 डिग्री से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। जिसका सीधा असर कृषि उत्पादन पर होगा। उदाहरण के लिए आज जहां गेहूं, जौ, सरसों और आलू की खेती हो रही है, तापमान बढ़ने से इन फसलों की खेती नहीं हो सकेगी, क्योंकि इन फसलों को ठंडक की आवश्यकता पड़ती है। ठीक इसी प्रकार अधिक तापमान बढ़ने से मक्का, धान या ज्वार आदि फसलों का चरण हो सकता है, क्योंकि इन फसलों में अधिक तापमान के कारण दाना नहीं बनता है अथवा कम बनता है। इससे इन फसलों की खेती करना असंभव हो सकता है। इसके अतिरिक्त तापमान बढ़ने से वर्षा में कमी होती है। इससे मिट्टी में नमी समाप्त हो जाती है। इसी के साथ सूखे की संभावना भी बढ़ी है। इतना ही नहीं जलवायु परिवर्तन मिट्टी की सेहत को भी प्रभावित कर रहा है, क्योंकि बढ़ता तापमान प्राकृतिक नाइट्रोजन कम कर रहा है और इसे बढ़ाने के लिए हम रासायनिक खादों का बेतहाशा इस्तेमाल कर रहे हैं जो मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित कर रही है। आज पूरे विश्व में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पड़ रहा है और यह कहीं ज्यादा, तो कहीं कम महसूस किया जा रहा है। जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकांक में भारत शीर्ष बीस देशों में शामिल है। पिछले चार दशकों में हमारी धरती का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, जिसके कारण बाढ़, सूखे और तूफान जैसी कुदरती आपदाएं भी बढ़ी हैं। चूंकि अपने देश में ज्यादातर किसानों के पास छोटा रकबा है, इसलिए इन आपदाओं के कारण उनकी आमदनी बुरी तरह गिर रही है। भारत के लिए यह और अधिक चिंता की बात है, क्योंकि हमारे यहां साठ फीसद जनसंख्या खेती से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी है। कृषि ही उनके जीवनयापन का मुख्य स्रोत है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, पानी की आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी चुनौती खड़ा कर रहा है। वर्ष 2050 तक विश्व की आबादी वर्ष कर साढ़े नौ अरब हो जाएगी। इसका अर्थ यह है कि हमें दो अरब अतिरिक्त लोगों के लिए 70 फीसद ज्यादा भोजन पैदा करना होगा। इसलिए अब खाद्य और कृषि प्रणाली को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाना होगा और इसे ज्यादा उपजाऊ तथा टिकाऊ बनाने की जरूरत होगी। ऐसे में कृषि के विभिन्न तरीकों का पुनरावलोकन कर पर्यावरण को कम से कम क्षति पहुंचाने वाली तकनीकों का इस्तेमाल वांछनीय है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ कृषि के लिए बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए भी खतरे के रूप में सामने आ रहा है। लिहाजा कोई भी देश इसके असर से बच नहीं सकता। निसंदेह यह चिंता की बात है कि बढ़ते तापमान का संकट बहुत गहरा है। यह भारत के लिए बड़ी समस्याएं पैदा करेगा। इसलिए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में ऐसे तरीकों की समीक्षा किया जाना आवश्यक है, जिससे हमारे कृषक जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करते हुए फसलों का उत्पादन कर सकें और उन्हें समुचित लाभ भी मिल सके। साथ ही, कृषि से उनका मोह भंग भी न हो। चूंकि जलवायु परिवर्तन किसी एक देश अथवा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, इसलिए इसमें कमी लाने के लिए सभी स्तरों पर ठोस उद्यमी की जरूरत है।

चांपा में पीडीएस चावल संकट, 7 राशन दुकानों में 4 दिन से वितरण ठप, आम जनता परेशान

7 दुकानों में 4 दिन से चावल नहीं, चांपा खाद अधिकारी बोले - मुझे जानकारी नहीं...

चांपा/मूक पत्रिका

नगर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की बड़ी लापरवाही सामने आई है। शहर की लगभग 7 राशन दुकानों में बीते 3 से 4 दिनों से चावल का वितरण पूरी तरह ठप है, जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोज़ाना राशन दुकान पहुंचने के बावजूद हितग्राहियों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस गंभीर स्थिति की जानकारी तक चांपा के खाध अधिकारी संदीप पांडेय को नहीं है। जब उनसे इस संबंध में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें चावल वितरण बंद होने की जानकारी नहीं है और वे पता करेंगे कि आखिर 7 दुकानों में चावल क्यों खत्म हो गया। खाध निरीक्षक का यह बयान विभागीय लापरवाही को उजागर करता है। जानकारी के अनुसार बरछा पारा, मठ मंदिर क्षेत्र, हजारी गली, मंझली तालाब, महादेव घाट, सोनार पारा सहित कई इलाकों की राशन दुकानों में चावल उपलब्ध नहीं है। एक सोसायटी संचालक ने बताया कि अधिकारियों को समस्या की जानकारी है, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही, जो समझ से परे है।दुकान संचालकों का कहना है कि जो एजेंसी चांपा नगर की सभी दुकानों में राशन का परिवहन करती है, वह जिम्मेदारी से बच रही है। वितरणकर्ता कभी खाध अधिकारी से बात करने को कहता है, तो खाद अधिकारी वितरणकर्ता को बोलने की बात कहते हैं। इस तरह जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डालकर मामला टाला जा रहा है, जबकि इसका सीधा नुकसान आम जनता को उठाना पड़ रहा है।एक दुकान संचालक ने यह भी बताया कि वितरणकर्ता का तर्क है कि उसकी बड़ी गाड़ी नगर की संकरी गलियों में नहीं आ सकती और छोटी गाड़ी कहीं फंसी हुई है। जबकि हकीकत यह है कि वैकल्पिक व्यवस्था कर छोटी गाड़ियों से भी राशन पहुंचाया जा सकता है। साफ तौर पर यह खाध विभाग और वितरण एजेंसी की घोर लापरवाही को दर्शाता है।एक ओर सरकार पीडीएस व्यवस्था को मजबूत करने और गरीबों तक समय पर राशन पहुंचाने के लिए नई-नई योजनाएं लागू कर रही है, वहीं स्थानीय स्तर पर अधिकारी और वितरणकर्ता इन योजनाओं को मजाक बनाकर रखे हुए हैं। फिलहाल चांपा नगर की भोली-भाली जनता इस अव्यवस्था का खामियाजा भुगत रही है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल चावल वितरण शुरू कराया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों व एजेंसी पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा न हो।

शहर के मुख्य मार्गो पर धड़ल्ले से चल रहे हैं ओवरलोड वाहने, यातायात नियमों का नहीं कर रहे है पालन

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले में यातायात नियमों को ओवरलोड हाइवा बालू व गिट्टी वाहन लगातार धड़ल्ले से शहर के बीच से आवा जाही कर रहे हैं. इन ओवरलोड वाहनों से दिनभर में कई बार जाम से लोगों को सामना करना पड़ता है, लेकिन गिट्टी, बालू लोड वाहनों का चालान करने में ट्रैफिक पुलिस कतरा रही है। इस कारण ओवरलोड हाइवा वाहन के चालकों को किसी प्रकार की परवाह नहीं है। ट्रैफिक व परिवहन विभाग के अफसर मौन साधे हुए हैं। विभागीय अफसर अपना पल्ला झाड़ रहे है क्षेत्र में भवन निर्माण सामग्री से भरे ओवरलोड वाहनों पर लगाम नहीं लग पा रही है। हालात ये हैं कि पूरी रात व दिन को शहर के मुख्य मार्गो पर ऐसे वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलती हैं। तेज गति से दौड़ते ये भारी वाहन न केवल यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं। रात ही नहीं बल्कि दिन में भी भीड़भाड़ क्षेत्र से गुजरते वाहन किसी दिन बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार रात व दिन के समय इन वाहनों की आवाजाही इतनी अधिक होती है कि सुबह टहलने निकालने वाले लोग भी डर के कारण सुबह की सैर करने से कतराने लगे हैं। कई बार ये वाहन बिना किसी नियंत्रण के तेज रफ्तार में गुजरते हैं, जिससे हादसे का खतरा लगातार बना रहता है। लोगों का कहना है कि अधिकतर ओवरलोड वाहनों पर नंबर प्लेट तक नहीं होती। इस अवैध गतिविधि के कारण न केवल नियमों का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि हैरानी की बात ये है कि ये ओवरलोड वाहन कई थानो के सामने से पार होती है इसके बावजूद पुलिस और स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

अवैध रेत उत्खनन पर संयुक्त टीम की कार्रवाई,नवापारा में 2 चैन माउंटेन जब्त

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए खनिज विभाग की राज्य स्तरीय टीम एवं राजस्व विभाग,खनिज विभाग की जिला स्तरीय टीम ने संयुक्त रूप से ग्राम नवापारा में छापेमारी की। गत रात्रि लगभग 11 बजे की गई इस औचक कार्रवाई में अवैध उत्खनन में संलिप्त दो चैन माउंटेन मशीनों को जब्त किया गया। एसडीएम जांजगीर सुब्रत प्रधान ने बताया संयुक्त टीम द्वारा हसदेव नदी घाट का निरीक्षण किया जा रहा था, इसी दौरान अवैध रूप से रेत उत्खनन कर डंप किए जाने का मामला सामने आया। टीम के पहुंचने की सूचना मिलते ही उत्खनन में लगे लोगों ने दोनों मशीनों को पास के एक स्थानीय ग्रामीण की बाड़ी में छुपा दिया।

निरीक्षण टीम ने मौके पर ही छापामार कार्रवाई कर दोनों मशीनों को जब्त कर लिया।जब्त की गई रेत को खनिज विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि जिले में अवैध रेत उत्खनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में लगातार निगरानी रखकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जल संरक्षण से लेकर पीएम आवास तक कलेक्टर ने तय की टाइमलाइन, धीमी प्रगति पर होगी कार्रवाई

अधूरे आवास कार्यों पर नाराजगी , धीमी प्रगति वाले सचिवों,रोजगार सहायकों को फटकार

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जनपद पंचायत नवागढ़ सभाकक्ष में एवं जनपद पंचायत बम्हनीडीह के पंचायतों की कलेक्टोरेट सभाकक्ष में समीक्षा बैठक ली । बैठक में ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं अन्यथा संबंधितों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), महात्मा गांधी नरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, जल संरक्षण एवं नवा तरिया निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की । कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास के लंबित और अप्रारंभ कार्यों पर नाराजगी जताते हुए उन्हें शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवास संबंधी शिकायत पाए जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ सीधे कार्रवाई की जाएगी।कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सभी अधिकारी-कर्मचारी की जवाबदेही तय है। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल प्रारंभ कर गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाए।

गांवों के समग्र और संतुलित विकास के लिए 5 वर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना तैयार करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि यह योजना पूरी तरह जमीनी आवश्यकताओं पर आधारित हो । इसमें पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, सड़क और सिंचाई जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। ग्राम सभाओं की भागीदारी से वास्तविक जरूरतों का आकलन कर व्यावहारिक लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे।जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर ने मोर गांव मोर पानी अभियान के अंतर्गत सोखता गड्ढे, डबरी एवं तालाब निर्माण कार्यों को मानसून पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही ÷नवा तरिया÷ निर्माण कार्यों को तेजी से प्रारंभ कर अधिक से अधिक रोजगार सृजन सुनिश्चित करने को कहा।कलेक्टर ने अवैध रेत खनन एवं परिवहन पर सख्ती बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम स्तर तक निगरानी तंत्र को सक्रिय किया जाए और किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल उच्च स्तर पर पहुंचाई जाए।

सुशासन तिहार के तहत 1 मई से 10 जून 2026 तक आयोजित होने वाले जनसमस्या निवारण शिविरों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक शिविर में आम नागरिकों के लिए छाया, पेयजल, बैठक सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करें।

जिला स्तरीय पंचायती राज दिवस का आयोजनः ग्राम सभाओं में विकास योजनाओं पर व्यापक मंथन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिले में पंचायती राज दिवस के अवसर पर सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। जिला पंचायत बेमेतरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन बैठकों में ग्रामों के समग्र विकास को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं योजना निर्माण किया गया। ग्राम सभाओं में गांवों को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। उन्होंने ÷नया तरिया, कमाई के जरिया÷ अभियान के अंतर्गत आजीविका संवर्धन एवं स्वरोजगार के अवसरों पर विशेष रूप से अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठकों में जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ÷पानी की हर बूंद को सहेजने÷ का संदेश दिया गया। इसके साथ ही आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए पूर्व तैयारियों, जल संरचनाओं के संरक्षण एवं समयबद्ध कार्य निष्पादन पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर भी ग्राम सभाओं में विशेष जोर दिया गया। ग्रामीणों को घरों से निकलने वाले गंदे पानी के उचित निस्तारण, कूड़ा-करकट को इधर-उधर न फैलाने तथा गांव में साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायतों में समर्थ पोर्टल के माध्यम से टैक्स पेयरों की एंट्री का कार्य भी प्रगति पर है। इससे पंचायतों की राजस्व व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

जिला अस्पताल में बदहाल व्यवस्था, परिजनों को खुद खींचना पड़ रहा स्ट्रेचर

- वार्ड ब्वाय नदारद, गंभीर मरीज लेकर भटकते रहते हैं परिजन

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

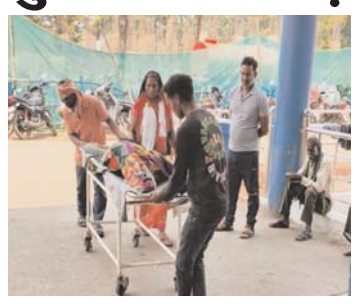

जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत एक बार फिर सवालों के घेरे में है। गंभीर मरीजों को लेकर अस्पताल पहुंचने वाले परिजनों को वार्ड ब्वाय की मदद नहीं मिल पाती, मजबूरन उन्हें खुद ही स्ट्रेचर खींचना पड़ता है। अस्पताल के मुख्य द्वार पर एंबुलेंस से मरीज उतारने के बाद परिजन इधर-उधर भटकते रहते हैं और लोगों से पूछते नजर आते हैं कि मरीज को किस ओर ले जाना है। अस्पताल में अधिकांश परिजनों को वार्ड, जांच कक्ष या इमरजेंसी की सही जानकारी नहीं होती। ऐसे में मरीज को स्ट्रेचर पर लेकर भटकना उनकी मजबूरी बन जाती है। यह स्थिति आए दिन देखने को मिलती है, लेकिन अस्पताल प्रबंधन की नजर अब तक इस समस्या पर नहीं पड़ी है। गौरतलब है कि जिला अस्पताल जिले का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है, जहां 200 से अधिक बेड की सुविधा है। ब्लॉकों से गंभीर मरीजों को यहीं रेफर किया जाता है, जिससे रोजाना बड़ी संख्या में गंभीर केस यहां पहुंचते हैं। इसके बावजूद मरीज को अस्पताल के भीतर ले जाने की बुनियादी व्यवस्था तक दुरुस्त नहीं है। परिजनों का कहना है कि कई बार वे काफी देर तक कर्मचारियों को तलाशते रहते हैं, लेकिन जब कोई मदद नहीं मिलती तो खुद ही स्ट्रेचर संभालने को मजबूर हो जाते हैं। इससे मरीज और परिजन दोनों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। विडंबना यह है कि जहां एक ओर परिजन मरीजों को स्ट्रेचर पर खींचते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर अस्पताल कर्मी उन्हीं स्ट्रेचरों में सामान ढोते दिखाई देते हैं। यह दृश्य देखकर परिजन हैरान रह जाते हैं, लेकिन उनकी परेशानी पर कोई सुनवाई नहीं होती। इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन का तर्क है कि कभी-कभार परिजन स्ट्रेचर खींच भी लें तो इसमें कोई बड़ी बात नहीं है और हर समय कर्मचारी उपलब्ध रहना संभव नहीं। हालांकि, सवाल यह है कि जब जिला अस्पताल में बुनियादी जिम्मेदारियां भी तय नहीं होंगी, तो गंभीर मरीजों को समय पर इलाज कैसे मिल पाएगा।

नारंगी नदी में जल संरक्षण व पर्यटन विकास हेतु विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

विधायक एवं कलेक्टर ने किया स्थल निरीक्षण

कोंडागांव/मूक पत्रिका

बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक सुश्री लता उसेंडी तथा कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग, जोंधरापदर एवं कोपाबेड़ा स्थित नारंगी नदी के पुल एवं स्टापडेम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जलभराव, सिंचाई और पर्यटन विकास को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तीनों स्थानों पर जल संरक्षण को प्रभावी बनाने हेतु समुचित कार्ययोजना तैयार कर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री नरपति पटेल, पार्षद सुश्री सोनामणि पोयाम सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। विधायक सुश्री उसेंडी ने राष्ट्रीय राजमार्ग पुलिया के नीचे मुक्तिधाम के पास नदी के दोनों तटों पर घाट निर्माण एवं तटरक्षण कार्य कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जोंधरापदर स्थित स्टापडेम के जीर्णोद्धार के साथ तटरक्षण, घाट निर्माण, गार्डन एवं पाथवे विकसित करने के निर्देश भी दिए गए। स्टापडेम के सुधार कार्य से जोंधरापदर पुल से राष्ट्रीय राजमार्ग पुलिया तक ग्रीष्मकाल में भी जलभराव संभव हो सकेगा। इसके अतिरिक्त खड़कघाट में स्टापडेम के गेट की मरम्मत एवं साफ-सफाई के निर्देश दिए गए। नारंगी नदी में निरंतर जलभराव सुनिश्चित करने के लिए तिरिया खड़कघाट से बम्हनी तक नदी संरक्षण एवं पर्यटन विकास को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही कोपाबेड़ा जलाशय एवं बम्हनी व्यपवर्तन योजना के माध्यम से सिंचाई सुविधा बढ़ाने के लिए समीक्षा कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया।

इस अवसर पर जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता आर.एल. धीवर, एसडीओ इतेश मेश्राम, उप अभियंता सुश्री वर्षा जैन सहित नगरपालिका के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्व-गणना के लिए जिला प्रशासन की अपीलः नागरिक बढ़-चढ़कर करें सहभागिता

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्व-गणना (सेल्फ ऐनुमैरेशन) प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जनगणना कार्य को सफल बनाएं। प्रशासन द्वारा इस संबंध में व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि प्रत्येक नागरिक स्वयं अपनी जानकारी सही एवं समय पर दर्ज कर सके। जिला प्रशासन ने बताया कि स्व-गणना की सुविधा के माध्यम से नागरिक घर बैठे ही ऑनलाइन माध्यम से अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इससे जनगणना कार्य में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं सटीकता सुनिश्चित होगी। यह प्रक्रिया नागरिकों के लिए सरल, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाई गई है। प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों एवं विभिन्न विभागों के माध्यम से लोगों को स्व-गणना के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों एवं मैदानी अमले की मदद से घर-घर तक संदेश पहुंचाया जा रहा है।जिला प्रशासन ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे स्व-गणना करते समय सभी जानकारी सही एवं पूर्ण रूप से भरें, ताकि भविष्य में शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक सही ढंग से पहुंच सके। साथ ही, किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित विभागों से संपर्क कर मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल एक आंकड़ा संग्रह नहीं, बल्कि विकास योजनाओं की नींव है। अतः सभी नागरिकों की भागीदारी से ही जिले के समग्र विकास की दिशा सुनिश्चित होगी।

25 लाख का सामान जलकर राख, नगर में दमकल नहीं होने पर उठे सवाल

चांपा में आधी रात टेंट हाउस गोदाम में भीषण आग

चांपा/मूक पत्रिका

शहर के वार्ड क्रमांक 4 स्थित बड़े मठ मंदिर के पीछे एक पाठक टेंट हाउस के गोदाम में शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी भयावह थीं कि दूर-दूर तक दिखाई दीं, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। पाठक टेंट हाउस के संचालक योगेश पाठक ने आरोप लगाया कि आग असामाजिक तत्वों द्वारा पटाखे फोड़ने से लगी है। उनका कहना है कि इस आगजनी में गोदाम में रखा करीब 25 लाख रुपये का सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया। इसमें नए परदे, डिनर सेट, प्लेट, महंगे सोफा, डिजाइनर कॉस्मेटिक आइटम, लाइटें और कुर्सियां सहित टेंट हाउस से जुड़ा अन्य साजो-सामान शामिल है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। आग लगते ही स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश शुरू की, लेकिन आग तेजी से फैलती गई। सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और दमकल को मौके पर बुलाया गया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग की तीव्रता को देखते हुए दमकल को दोबारा बुलाना पड़ा। इस दौरान चांपा तहसीलदार प्रशांत पटेल मौके पर मौजूद रहे और राहत कार्यों का जायजा लिया। चांपा थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और

घटना के समय वार्ड पार्षद टीकम कंसारी, स्थानीय निवासी तथा प्लांट से आए दमकल कर्मियों का सहयोग सराहनीय रहा। नगर में दमकल नहीं होना बना चर्चा का विषय - पूर्व में चांपा नगर पालिका में एक दमकल हमेशा तैनात रहती थी। कई वर्षों से उसे जिला सेनानी द्वारा जांजगीर कंट्रोल रूम मंगा लिया गया है। इस घटना के बाद शहर में एक बड़ा सवाल फिर से खड़ा हो गया है कि चांपा नगर पालिका क्षेत्र में एक भी दमकल वाहन उपलब्ध नहीं है। नागरिकों का कहना है कि हर आगजनी की घटना में बाहर से दमकल बुलानी पड़ती है, जिससे समय पर मदद नहीं मिल पाती और नुकसान बढ़ जाता है। बीती रात की घटना को लेकर नगरवासियों में रोष और निराशा है। लोग इसे नगर के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए पालिका की व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच में जुटी है। वहीं, नागरिकों ने भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए चांपा में स्थायी दमकल व्यवस्था की मांग तेज कर दी है।

बेमेतरा ब्लॉक स्तरीय प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज प्रकोष्ठ का गठन, पदाधिकारियों का हुआ मनोनयन

मूक पत्रिका/बेमेतरा – बीते शनिवार गुरु बालक दास स्मृति स्थल, सतनाम धाम (बहुनावगांव रोड, वार्ड क्रमांक 01 पिकरी) में प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज, जिला बेमेतरा के अंतर्गत ब्लॉक बेमेतरा का ब्लॉक स्तरीय वरिष्ठ, युवा एवं महिला प्रकोष्ठ का गठन किया गया। कार्यक्रम प्रदेश सहसचिव दिनेश बंजारे, प्रदेश उपाध्यक्ष सुशीला सोनवानी, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अंजलि परमार, शकुंतला ढांडे, द्रोपती जोशी तथा प्रदेश कार्यकारी सदस्य भुवन जांगड़े के आतिथ्य एवं जिला अध्यक्ष राजा लाल बंजारे के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

इस दौरान सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का मनोनयन कर नई टीम का गठन किया गया। ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में राजेंद्र घृतलहरे, उपाध्यक्ष विजय बंजारे, गणेश मिरी एवं मटुक दास बघेल, सचिव लछन टंडन तथा कोषाध्यक्ष भूपेंद्र मंडले को जिम्मेदारी सौंपी गई। युवा प्रकोष्ठ में तरुण गायकवाड (अध्यक्ष), कमलेश मंगेशकर (उपाध्यक्ष) एवं दाउलाल घृतलहरे (सचिव) तथा महिला प्रकोष्ठ में मिथिलेश घृतलहरे (अध्यक्ष), अनामिका मारकंडे (उपाध्यक्ष), दामिनी चतुर्वेदी (सचिव) एवं संतोषी घृतलहरे (सह सचिव) नियुक्त किए गए। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पुष्पमाला एवं गुलदस्ता भेंट कर पदभार ग्रहण कराया गया।

प्रदेश सहसचिव दिनेश बंजारे ने अपने उद्बोधन में संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और आर्थिक उन्नति के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए महिलाओं को पुरुषों के साथ समान रूप से समाज की जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

अन्य अतिथियों ने भी सामाजिक एकता और संगठन के महत्व पर बल दिया तथा सभी को मिलकर समाजहित में कार्य करने की बात कही। कार्यक्रम में ईश्वरी घृतलहरे एवं उषा डेहरे ने गीतों के माध्यम से एकता का संदेश दिया। अंत में भुवन जांगड़े ने भीषण गर्मी के बावजूद उपस्थित सभी सदस्यों, कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

साजा ब्लॉक में पदाधिकारियों का गठन आज – जिस तरह बेमेतरा ब्लाक में बीते शनिवार 25 अप्रैल को पदाधिकारीयों का गठन हुआ ठीक उसी प्रकार आज साजा स्थित सामाजिक संत भवन में ब्लाक स्तरीय पदाधिकारीयो का निर्वाचन/मनोनयन होगा।

जिला किसान कांग्रेस ने अपने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों की सूची जारी की

मूक पत्रिका/बेमेतरा – अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय सुखपाल सिंह खैरा एवं राष्ट्रीय प्रभारी किसान कांग्रेस अखिलेश शुक्ला की सहमति से माननीय प्रभारी महासचिव सचिन पायलट प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय दीपक बैज विधानसभा विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष माननीय चरण दास महंत प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदु राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी किसान कांग्रेस मनोज नचार एवं राम मोहन बरुआ प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा प्रदेश संगठन प्रभारी महामंत्री अकिल हुसैन की अनुमति से जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा की सहमति से जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष मंगतराम साहू के हस्ताक्षर से निम्नलिखित ब्लॉक अध्यक्षों की उनके पद पर तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया जाता हैं बेमेतरा ब्लॉक से धनंजय साहू बेरला ब्लॉक से ईश्वर सिन्हा साजा ब्लॉक से कन्हैया साहू थानखम्हरिया ब्लॉक से जलेश्वर सिंह नवागढ़ ब्लॉक से चंद्रिका साहू नांदघाट ब्लॉक से लेखराम साहू संबलपुर ब्लॉक से लवकुमार राजपूत आशा है कि आप संगठन के प्रति पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए पार्टी व संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे

बावन परी का मजा लेते 10 जुआरी पकड़ाए

मूक पत्रिका/जांजगीर-चांपा। जिले में जुआ, सट्टा खेलने और खिलाने वालों के खिलाफ पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में थाना नवागढ़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना क्षेत्र के ग्राम रोगदा में छापा मारकर जुआ खेल रहे 10 जुवाड़ियों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने जुवाड़ियों के कब्जे से 9,000 नकद और तास पत्ती बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत विधिवत कार्रवाई की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम रोगदा में जुआ खेले जाने की सूचना पर नवागढ़ पुलिस ने दबिश दी। मौके पर तास पत्ती से जुआ खेलते हुए 10 लोग पकड़े गए। सभी आरोपी ग्राम रोगदा और थाना नवागढ़ क्षेत्र के निवासी हैं। पकड़े गए जुआरियों में नकुल कश्यप ,हरप्रसाद साहू,शरीफ मोहम्मद ,अनीष कश्यप,चितरंजन सारवा ,कलेश्वर वैष्णव,गौरी शंकर ,तिरीथराम सारवा,रामकुमार साहू,सियाराम साहू ,पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध जुआ और सट्टे के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

कलेक्टर ने किया शहर के विकास कार्यों का निरीक्षण

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा ने शहर में संचालित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क चौड़ीकरण, नाली निर्माण तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को गुणवत्ता एवं समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने कहा कि विकास कार्यों का क्रियान्वयन केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही नहीं, बल्कि भविष्य में बढ़ने वाली आबादी और यातायात की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया जाए। उन्होंने सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्यों में तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए ताकि आमजन को बेहतर आवागमन सुविधा मिल सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पल्ली नाका, धरमपुरा पीजी कॉलेज, महावीर कालोनी, एलआईसी चौक, वर्गीस कालोनी, आईबीसी कार्यालय, बालाजी मंदिर चौक, अनुपमा चौक के पास के नाली निर्माण के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का मौका मुआयना भी किया। उन्होंने जल भराव स्थल का निरीक्षण कर जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इसके अलावा एलआईसी चौक से एमपीएम हॉस्पिटल मार्ग तक और हाता ग्राउंड से कोर्ट तिराहा तक के सड़क चौड़ीकरण कार्य का जायजा लिया।

पखांजूर के अंदरूनी गांव में स्वास्थ्य व्यवस्था फेल, मरीज को खाट पर पहुंचाया अस्पताल

20 ग्रामीणों ने खाट पर 19 किमी ढोया लकवाग्रस्त युवक

108 सेवा ठप: 4 घंटे पैदल चलकर ग्रामीणों ने बचाई युवक की जान

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर /कांकेर:-पखांजूर कांकेर स्वास्थ्य व्यवस्था की हकीकत एक बार फिर सामने आई है। पखांजूर क्षेत्र के अंदरूनी बीनागुंडा गांव में एक लकवाग्रस्त युवक को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस नहीं मिली, तो मजबूरन करीब 20 ग्रामीणों ने उसे खाट में बांधकर 19 किलोमीटर तक कंधों पर ढोया। जानकारी के मुताबिक, बीनागुंडा निवासी युवक को तीन दिन पहले लकवा मार गया था। परिजन सुबह 7 बजे से 108 एंबुलेंस को लगातार फोन करते रहे, लेकिन मदद नहीं पहुंची। गांव तक सड़क और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव होने के कारण हालात और गंभीर हो गए। आखिरकार गांव के लोगों ने खुद जिम्मेदारी उठाई और पहाड़ी-पथरीले रास्तों से करीब चार घंटे तक पैदल सफर कर युवक को छोटेबेठिया तक पहुंचाया। छोटेबेठिया पहुंचने पर बीएसएफ कैंप की मदद से एंबुलेंस उपलब्ध हो सकी, जिसके बाद युवक को अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में 108 एंबुलेंस सेवा अक्सर ठप रहती है और गांव तक सड़क न होने से मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता।

यह घटना सिस्टम पर बड़ा सवाल खड़ा करती है-क्या अंदरूनी गांवों में रहने वालों की जिंदगी की कोई कीमत नहीं? सरकारी दावे कागजों तक सीमित क्यों हैं? आखिर कब तक मरीजों को खाट के सहारे अस्पताल पहुंचाना पड़ेगा?

बाल विवाह पर समय रहते प्रशासन ने की कार्यवाही, टीम ने रुकवाया विवाह

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर /कांकेर :- उत्तर बस्तर कांकेर 25 अप्रैल 2026 जिला बाल संरक्षण इकाई को प्राप्त सूचना के आधार पर ब्लॉक भानुप्रतापपुर के ग्राम पंचायत तुएगहन, थाना कोरर क्षेत्र में प्रस्तावित बाल विवाह पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विवाह रुकवा दिया। मिली जानकारी के अनुसार उक्त विवाह आगामी 30 अप्रैल से प्रारंभ होना था। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के निर्देश पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा एक संयुक्त टीम गठित की गई। टीम में चाइल्ड हेल्पलाइन, जिला बाल संरक्षण इकाई एवं पुलिस थाना कोरर के स्टाफ शामिल रहे। टीम मौके पर पहुंचकर बाल विवाह की रोकथाम की कार्यवाही में जुट गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम पंचायत पंडरीपानी के सरपंच, उपसरपंच, पटेल एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी मौके पर उपस्थित रहे। टीम द्वारा लड़के एवं लड़की की उम्र से संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई, जिसमें पाया गया कि लड़के की उम्र 21 वर्ष से कम है, जो कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत निर्धारित आयु से कम है। इसके बाद टीम ने माता-पिता एवं परिजनों को समझाइश दी तथा बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। परिवार द्वारा सहमति पत्र/पंचनामा पर हस्ताक्षर कर बाल विवाह नहीं करने की सहमति दी गई। इस प्रकार प्रशासन की सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई से बाल विवाह को सफलतापूर्वक रोका गया।

एसपी निखिल राखेचा ने किया पुलिस लाइन का औचक निरीक्षण; व्यवस्थाओं को परखने के साथ जवानों का बढ़ाया हौसला

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर /कांकेर:-उत्तर बस्तर कांकेर जिले की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिसिंग को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा (भा.पु.से.) ने शनिवार को पुलिस लाइन कांकेर का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न केवल प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि धरातल पर कार्य कर रहे जवानों और अधिकारियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को भी समझा। व्यवस्थाओं की सूक्ष्म जांच और दिशा-निर्देश निरीक्षण के दौरान एसपी राखेचा ने कार्यालयीन अभिलेखों और रजिस्टरों की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी रिकॉर्ड समयबद्ध और त्रुटिहीन होने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने शस्त्रागार और क्वार्टर गार्ड का अवलोकन कर हथियारों के रखरखाव और सुरक्षा मानकों की जांच की। जवानों को शस्त्र संचालन में और अधिक दक्ष बनाने के लिए उन्होंने नियमित अभ्यास सत्र आयोजित करने की बात कही। जवानों के कल्याण और सुविधाओं पर जोर पुलिस अधीक्षक ने जवानों के रहने के स्थान, बैरक और आवासीय परिसर का भी भ्रमण किया। उन्होंने साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं का परीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुलिस कर्मियों को एक बेहतर और स्वच्छ वातावरण मिलना चाहिए। परिवहन शाखा की समीक्षा करते हुए उन्होंने वाहनों की फिटनेस और आपातकालीन स्थितियों के लिए उनकी निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीधा संवाद और उत्कृष्ट कार्य का सम्मान निरीक्षण की एक खास कड़ी रही 'जवानों के साथ सीधा संवाद'। राखेचा ने ड्यूटी, प्रशिक्षण और भोजन की गुणवत्ता के संबंध में पुलिस कर्मियों और रिक्रूट आरक्षकों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि एक अनुशासित और फिट पुलिस बल ही आधुनिक चुनौतियों का सामना कर सकता है। इस दौरान बेहतर अनुशासन और स्वच्छता बनाए रखने वाले उत्कृष्ट कर्मचारियों को पुरस्कृत कर उनका मनोबल भी बढ़ाया गया। एसपी का संदेश: मजबूत अनुशासन, सुरक्षित जिला अंत में अपना संदेश देते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस लाइन की प्रशासनिक और संसाधन व्यवस्था जितनी सुदृढ़ होगी, जिले की कानून व्यवस्था उतनी ही मजबूत होगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को पूरी ईमानदारी और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस निरीक्षण के दौरान जिले के अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शिक्षक सुसाइड केस: निष्पक्ष जांच व मुआवजे की मांग, फेडरेशन ने सौंपा ज्ञापन

मूक पत्रिका/बीजापुर। पालनार क्षेत्र के प्रधान अध्यापक राजू पुजारी की आत्महत्या के मामले में अब कर्मचारी संगठन ने प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें रख दी हैं। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन, जिला बीजापुर ने कलेक्टर एवं एसपी को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई तथा मृतक के परिजनों को मुआवजा व अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग की है।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, जिला बीजापुर

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि 22 अप्रैल को विकासखंड बीजापुर अंतर्गत प्राथमिक शाला मंझारपारा पालनार में पदस्थ प्रधान अध्यापक एवं सीएसी राजू पुजारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद मिले सुसाइड नोट में आत्महत्या के कारणों का जिक्र करते हुए कुछ लोगों को जिम्मेदार बताया गया है। फेडरेशन ने कहा कि इस घटना से जिले के कर्मचारी और अधिकारी वर्ग में गहरा दुख और रोष व्याप्त है। संगठन ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की जांच के लिए एक विशेष दल गठित कर निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

साथ ही मृतक शिक्षक के आश्रितों को उचित मुआवजा प्रदान करने तथा परिवार के एक सदस्य को सम्मानजनक पद पर अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने की मांग भी की गई है। फेडरेशन ने प्रशासन से मामले में शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई है।

अभय सिंह ने एलेइनिन को हराया

पहली बार पीएसए गोल्ड-लेवल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह ने ज्यूरिख में खेले जा रहे ग्रासहॉपर कप स्क्वैश टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।भारत के अभय सिंह ने ज्यूरिख में खेले जा रहे ग्रासहॉपर कप स्क्वैश टूर्नामेंट में मिस्र के विश्व नंबर 13 अली अबू एलेइनिन को हराकर पहली बार पीएसए गोल्ड लेवल की प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज अभय दूसरे दौर के पहले गेम में 5-8 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने हालांकि शानदार वापसी करते हुए सातवीं वरीयता प्राप्त एलेइनिन को 12-10, 11-9 से मात दी।

अभय के सामने अब कड़ी चुनौती - इस महीने की शुरुआत में भी अभय ने मिस्र में आयोजित एल गूना ओपन में भी एलेइनिन को हराया था। अभय के सामने अब क्वार्टर फाइनल में मिस्र के विश्व नंबर चार करीम गवाड की चुनौती होगी। उन्होंने शुरुआती दौर में स्विट्जरलैंड के डेविड बेर्नेट को 11-9, 9-11, 11-8 से हराया था। भारत के ही रमित टंडन को मिस्र के फारेस देसौकी के खिलाफ 6-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा।

सचिन तेंदुलकर बर्थडे

'क्रिकेट के भगवान' ने फैंस के साथ मनाया जन्मदिन

मुंबइ, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर अपना 53वां जन्मदिन मना रहे हैं। सचिन को उनके जन्मदिन पर न सिर्फ क्रिकेट बल्कि समाज के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोग भी बधाई दे रहे हैं। फैंस के दिल में राज करने वाले सचिन ने अपने जन्मदिन का केक फैंस के बीच काटा। सचिन ने अपनी पत्नी अंजली तेंदुलकर के साथ सैकड़ों फैंस के सामने केक काटा और फैंस की बधाइयों के लिए उनका शुक्रिया किया। इस अवसर पर उनके फैन के रूप में पहचान बनाने वाले सुधीर भी मौजूद थे। वह झंडा लहरा रहे थे और केक कटने के समय शंख बजा रहे थे। सचिन तेंदुलकर को उनके जन्मदिन पर उनके साथी खिलाड़ियों ने बधाई दी है। युवराज सिंह ने एक्स पर लिखा, 'जन्मदिन मुबारक पाजी। आपके साथ मैदान साझा करना मेरे लिए सम्मान की बात थी, लेकिन आपसे सीखना उससे भी बड़ी बात थी। आपका अनुशासन, विनम्रता और प्यार हम सभी के लिए एक मिसाल है। उन यादों और उस प्रेरणा के लिए धन्यवाद, जो आप आज भी हमारे लिए बने हुए हैं। ढेर सारा प्यार।' हरभजन सिंह ने एक्स पर सचिन तेंदुलकर के साथ अपनी फोटो साझा करते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक पाजी। वाहेगुरु आपको अच्छी सेहत, दौलत, खुशी और शांति का आशीर्वाद देते रहें। सच्चे लेजेंड, सिर्फ मैदान पर ही नहीं बल्कि मैदान के बाहर भी मास्टर। हमेशा प्यार।' ब्रेट ली ने फेसबुक पर लिखा, 'क्रिकेटर होते हैं, महान क्रिकेटर होते हैं, और फिर सचिन तेंदुलकर हैं। एक ऐसे इंसान को जन्मदिन की बधाई जिसने सिर्फ क्रिकेट नहीं खेला, बल्कि वह क्रिकेट बन गया। उसे देखना एक कला थी। एक लेजेंड, एक जेंटलमैन, और एक सच्चा दोस्त। और क्योंकि आज आपका जन्मदिन है और मैं दिल खोलकर खेल रहा हूं, तो यह रहा एक गिफ्ट—एक हाफ वॉली, स्ट्रेट और स्लॉट में राइट। आगे बढ़ो, सचिन। तुम्हें पता है कि इसके साथ क्या करना है। तुम्हें हमेशा पता था। जन्मदिन मुबारक हो, लिटिल मास्टर।'

फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान कल मना रहे बर्थडे

सबसे ज्यादा कमाई करने वाले फुटबॉलर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल के इतिहास में आई. एम. विजयन का नाम बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। वह भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान भी रह चुके हैं। आई. एम. विजयन का जन्म 25 अप्रैल 1969 को त्रिशूर, केरल में हुआ था। उनका पूरा नाम इनिवलाप्पिल मणि विजयन है। विजयन का बचपन काफी गरीबी में बीता। परिवार की आर्थिक मदद करने के लिए उन्हें स्टेडियम में सोडा बेचने तक का काम करना पड़ा।

संजू सैमसन ने मुंबई के खिलाफ शतक जड़ रच दिया इतिहास

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2026 के 33वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 103 रनों से रौंदा. वानखेड़े के मैदान पर मिली धमाकेदार जीत के साथ ही सीएसके आईपीएल में एमआई के खिलाफ सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाली टीम बन गई है.

चेन्नई सुपर किंग्स से मिले 208 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस की पूरी टीम 19 ओवर में 104 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. संजू सैमसन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए इस सीजन का अपना दूसरा शतक लगाया. सैमसन ने 54 गेंदों में 101 रनों की नाबाद पारी खेली . अपनी इस पारी में संजू ने 10 चौके और 6 छक्के लगाए. ऋतुराज गायकवाड़ ने 22 रन बनाए, तो सरफराज खान ने 14 रनों का योगदान दिया. वहीं, डेवाल्ड ब्रेविस ने 21 और कार्तिक शर्मा ने 18 रन बनाए. यह सीएसके की इस सीजन की तीसरी जीत है, जबकि एमआई को पांचवीं हार का मुंह देखना पड़ा है. एमआई की शुरुआत बेहद खराब रही और दानिश मालेवार और नमन धीर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे. क्विंटन डी कॉक भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 7 रन बनाकर मुकेश चौधरी का शिकार बने. सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने चौथे विकेट के लिए 73 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई. तिलक 29 गेंदों में 37 रन बनाकर आउट हुए, तो सूर्यकुमार 36 रन बनाने के बाद अकील हुसैन की गेंद पर सरफराज को कैच देकर पवेलियन लौटे.

हार्दिक पांड्या (1 रन) और शेरफेन रदरफोर्ड (0) बुरी तरह से फेल रहे. गेंदबाजी में सीएसके की ओर से अकील हुसैन ने 4 और नूर अहमद ने 2 विकेट अपने नाम किए. वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (रूट्ठ) के खिलाफ शतक जड़ना किसी भी बल्लेबाज के लिए एक सपने जैसा होता है. इस शानदार उपलब्धि के बाद अपनी रणनीति का खुलासा करते हुए शतकवीर खिलाड़ी ने बताया कि यह पल उनके और टीम के लिए बेहद खास है. उन्होंने कहा कि आज के दौर में उन्होंने अपनी बल्लेबाजी को बहुत सरल रखा है और वह केवल मैच के हालातों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. वानखेड़े की पिच को लेकर उन्होंने एक दिलचस्प बात साझा की कि आज का विकेट आम दिनों जैसा नहीं था, यहां गेंद न केवल स्विंग हो रही थी, बल्कि पिच से थोड़ा रुककर भी आ रही थी. इसी स्पष्टता ने उन्हें पारी को आगे बढ़ाने में काफी मदद की.

- **खेल खुद आपको रास्ता दिखाता है कि आपको क्या करना है : संजू** - मैच के दौरान टीम की मुश्किलों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि पावरप्ले के तुरंत बाद उन्हें पिच के मिजाज का अंदाजा हो गया था. टीम लगातार बीच-बीच में विकेट गंवा रही थी और जब भी बल्लेबाज बड़े शॉट खेलने का प्रयास करते, वे आउट हो रहे थे. ऐसी स्थिति में उन्होंने अपनी जिम्मेदारी को समझा और तय किया कि एक जमे हुए बल्लेबाज के रूप में उनका अंत तक क्रीज पर टिके रहना बहुत जरूरी है. उन्होंने कहा, 'खेल खुद आपको रास्ता दिखाता है कि आपको क्या करना है.' इसी संयम और खेल की समझ का नतीजा रहा कि वह अंत तक नाबाद रहे और एक यादगार शतक के साथ अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया मैदान पर उतरते समय पहले से कोई निश्चित धारणा या 'माइंडसेट' बनाकर खेलना हमेशा सही नहीं होता. खेल के प्रति मेरी सोच बहुत अलग है. संजू ने कहा, व्यक्तिगत रिकॉर्ड से ऊपर टीम की जरूरतें आती हैं. एक अनुभवी खिलाड़ी के नाते मेरी यह जिम्मेदारी बनती है कि मैं अपनी स्वाभाविक शैली को खेल की परिस्थितियों और टीम की मांग के अनुसार ढालूं. आज के मैच में भी, अगर हमने शुरुआत में जल्दी विकेट नहीं गंवाए होते, तो मैं शायद बहुत पहले ही आक्रामक शॉट खेलना शुरू कर देता, लेकिन विकेट गिरने की वजह से पारी को संभालना और उसे अंत तक ले जाना अनिवार्य था.

गोलकीपर प्रिंस नहीं खेल पाएंगे एशियाड

बाएं कंधे की होगी सर्जरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेल 2026 से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम को झटका लगा है। एशियाई खेलों के कैंप में शामिल गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह चोटिल हो गए हैं। प्रिंसदीप के बाएं कंधे के लेब्रल हिस्से में चोट की सर्जरी की जाएगी। प्रिंसदीप जूनियर हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हैरतअंगेज प्रदर्शन से चर्चा में आए थे, जिससे भारत सेमीफाइनल में पहुंचा था। चेन्नई में बीते दिसंबर में खेले गए जूनियर विश्व कप में भारत की कांस्य पदक जीत में प्रिंस की अहम भूमिका थी। प्रिंस के कंधे की सर्जरी इसी सप्ताह मुंबई में सर्जरी चर्चित चिकित्सक डॉ. दिनशा पारदीवाला करेंगे। सर्जरी के बाद प्रिंसदीप को पूरी तरह ठीक होने में छह माह तक का समय लग सकता है, जबकि एशियाई खेल ऐची और नागोया में 19 सितंबर से शुरू होने हैं। ऐसे में उनके खेलने की संभावना नगण्य हो गई है।

सर्जरी पर 6.5 लाख खर्च

पंजाब के 21 वर्षीय गोलकीपर प्रिंस को पीआर श्रीजेश का विकल्प माना जा रहा है। वह 2024 में जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। उनकी सर्जरी पर साढ़े छह लाख रुपये का खर्च होगा, जिसे मेडिकल इंश्योरेंस और टॉप्स स्कीम से पूरा किया जाएगा।

पुरानी है कंधे की चोट

सूत्र बताते हैं कि प्रिंसदीप पिछले एक-दो साल से इस चोट से पीड़ित हैं। तब भी वह लगातार खेल रहे थे। अब दर्द असहनीय होने पर उन्हें सर्जरी की सलाह दी गई है। अब एशियाई खेलों की टीम में गोलकीपर के लिए कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेगा, पवन और मोहित के बीच मुकाबला है।

पहले स्थान पर पहुंचा भारत

प्राची गायकवाड़ ने गोल्ड पर लगाया निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राची गायकवाड़ ने गुरुवार को मिस्र के काहिरा में चल रहे इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर वर्ल्ड कप राइफल / पिस्टल / शॉटगन में जूनियर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में 354.6 का स्कोर किया और व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट (एआईएन) डारिया चुप्रीस को हराया, जिन्होंने 354.4 का स्कोर किया। एक और एआईएन शूटर, एलेना क्रेटिनिना ने 343.3 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता, और 35-शॉट के फाइनल से 34वें शॉट के बाद बाहर हो गई। नारायण प्रणव ने भी जूनियर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में फाइनल में 229.5 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। मंगलवार (21 अप्रैल) को प्रतियोगिता के पहले दिन शिवा नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में जीत हासिल की थी; उसके बाद यह भारत का दूसरा गोल्ड है। दो गोल्ड, चार सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल के साथ भारत एक बार फिर मेडल टैली में टॉप पर पहुंच गया है।

केरला ब्लास्टर्स ने ओडिशा एफसी को 2-1 से हराया

कोच्चि, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2025-26 में केरला ब्लास्टर्स एफसी ने रोमांचक मुकाबले में ओडिशा एफसी को 2-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला गया। मैच की शुरुआत से ही केरला ब्लास्टर्स ने आक्रामक खेल दिखाया। टीम के खिलाड़ी केविन योक ने लेफ्ट साइड से कई अच्छे मूव बनाए और ओडिशा के डिफेंस को परेशान किया। इसी दबाव का फायदा उठाते हुए मुकाबले के 12वें मिनट में विक्टर बर्टोमेउ ने पहला गोल दागा। एक ड्राइविंग रन और हितेश शर्मा के ब्लॉक किए गए शॉट के बॉक्स में जाने के बाद विक्टर ने शानदार अंदाज में गेंद को कंट्रोल किया और फिर बॉल को गोल पोस्ट में पहुंचाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले गोल के बाद भी केरला का दबदबा बना रहा, लेकिन धीरे-धीरे ओडिशा एफसी ने मैच में वापसी की। 27वें मिनट में रहीम अली ने शानदार गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने मौके बनाए, लेकिन हाफ टाइम तक कोई और गोल नहीं हुआ।दूसरे हाफ में ओडिशा एफसी ने बेहतर शुरुआत की और लगातार अटैक किए। हालांकि, केरला के गोलकीपर और डिफेंस ने मजबूती से खेलते हुए गोल नहीं होने दिया। दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, और मैच के आखिरी समय तक स्कोर बराबरी पर ही बना रहा। मैच ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा था, तभी इंजरी टाइम में केरला ब्लास्टर्स को कॉर्नर मिला। इस मौके का फायदा उठाते हुए सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मैटियास हर्नांडेज ने शानदार हेडर लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। 90+3वें मिनट में आए इस गोल ने मैच का रुख बदल दिया और केरला को रोमांचक जीत दिलाई। मैच के अंत में ओडिशा एफसी ने बराबरी करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। इस तरह केरला ब्लास्टर्स ने कड़ी मेहनत से तीन अहम अंक हासिल कर लिए। इस जीत के बाद केरला ब्लास्टर्स 11 अंकों के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गया है। वहीं ओडिशा एफसी आठ मैचों में सिर्फ छह अंक के साथ 13वें स्थान पर बना हुआ है।

खेल में राजनीति कर रहा पाकिस्तान

भारत में होने वाले टूर्नामेंट से नाम वापस लिया

अब छह टीमें खेलती दिखेंगी

कराची, एजेंसी। दक्षिण एशिया के बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट सैफ विमेंस चैंपियनशिप 2026 से पाकिस्तान ने अपना नाम वापस ले लिया है। पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन ने इसकी आधिकारिक पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच बिगड़ते रिश्तों के चलते यह फैसला लिया गया है। यह टूर्नामेंट 25 मई से छह जून तक गोवा के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला जाना है।

टूर्नामेंट अब छह टीमों के साथ - पाकिस्तान के हटने के बाद अब इस टूर्नामेंट में कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें भारत, नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और मालदीव शामिल हैं। ढाका में हुए ड्रॉ में इन टीमों को दो समूहों में बांटा गया है, जिससे प्रतियोगिता का रोमांच बरकरार रहेगा।

पाकिस्तान महिला फुटबॉल को बड़ा झटका - यह फैसला पाकिस्तान महिला फुटबॉल के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। हाल के वर्षों में टीम धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी कर रही थी और इस टूर्नामेंट को खुद को साबित करने का बड़ा मौका माना जा रहा था। लेकिन एक बार फिर राजनीतिक तनाव ने खेल पर असर डाला और खिलाड़ियों का यह मंच छिन गया।

- **पहले भी खेलों से पीछे हट चुका है पाकिस्तान** - यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने भारत में होने वाले किसी खेल आयोजन से दूरी बनाई हो। इससे पहले भी पाकिस्तान ने पुरुष जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप और एशिया कप में अपनी टीम नहीं भेजी थी। यह लगातार बढ़ती प्रवृत्ति दर्शाती है कि खेल और राजनीति का टकराव दक्षिण एशिया में अभी भी जारी है।
- **भारत और बांग्लादेश पर रहेंगी नजरें** - भारत इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है, जिसने पांच बार खिताब जीता है। वहीं बांग्लादेश ने पिछले दो संस्करण (2022 और 2024) अपने नाम किए हैं। ऐसे में इस बार भी इन दोनों टीमों पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा की कमी खल रही है: आकाश चोपड़ा

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस (एमआई) के निराशाजनक प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। गुरुवार को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ एमआई को 103 रन के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल में रनों के लिहाज से एमआई की ये सबसे बड़ी हार है। पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा की कमी खल रही है। स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर जियोस्टार एक्सपर्ट आकाश चोपड़ा ने कहा, 'मुंबई को रोहित शर्मा की कमी जरूर खली है। अच्छी शुरुआत के बिना, 210-220 के लक्ष्य का पीछा करना बहुत मुश्किल हो जाता है। सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या ने अब तक ज्यादा योगदान नहीं दिया है। तिलक वर्मा ने पिछले मैच में जरूर शतक लगाया था, लेकिन बाकी बल्लेबाजों को बेहतर करने की जरूरत है। गेंदबाजी में भी जसप्रीत बुमराह और गजनफर अच्छा कर रहे हैं। उन्हें बाकी लोगों से बेहतर सपोर्ट की जरूरत है।' रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की थी और केकेआर के खिलाफ पहले मैच में 38 गेंदों पर 78 रन बनाए थे। सीजन के चौथे मैच में रोहित इंजर्ड हो गए थे। इसके बाद से प्लेइंग इलेवन से बाहर चल रहे हैं।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने माधोपाली और नवरंगपुर में जनगणना और जल संरक्षण के लिए ग्रामीणों को किया प्रोत्साहित

ग्रामीणों को स्वगणना फॉर्म पूरा करने में किया गया सहयोग

जादुई बॉक्स में बरसात का पानी को उडेल कर ग्रामीणों को दी जल संरक्षण की सीख

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सारंगढ़ ब्लॉक के ग्राम नवरंगपुर और माधोपाली में पंचायत दिवस के अवसर पर आयोजित ग्राम सभा में जनगणना और मोर गांव मोर पानी, मोर संगवारी महाभियान अंतर्गत 1 सोख्ता गडढा 1 संतान के नाम के तहत जल संरक्षण, मनरेगा से डबरी निर्माण कर जल को सुव्यवस्थित जल संग्रहण करने के लिए ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू, एसडीएम सारंगढ़ वर्षा बंसल, तहसीलदार एन के सिन्हा उपस्थित थे। जनगणना के संबंध में कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने कहा कि जनगणना के प्रगणकों का प्रशिक्षण अंतिम छोर पर है। वे 1 मई से 30 मई तक घर-घर जाकर जनगणना का कार्य करेंगे।

इस दौरान आप सभी अपने घरों में रहें और प्रगणकों को वास्तविक जानकारी दें। किसी भी प्रकार की गलत जानकारी नहीं दे। यह जानकारी पूरी तरह से गोपनीय रहेगा। सर्वर में डाटा सुरक्षित रहेगा। टैक्स, पुलिस या जांच में उपयोग नहीं किया जाएगा। कोई सही जानकारी देने में भ्रम पैदा करे, डराए, धमकाए तो ऐसे अफवाह से दूर रहें। जिस तरह से 1 निष्पक्ष वोट से आप एक होनहार उम्मीदवार को चुनते हैं उसी तरह देश का भविष्य जनगणना में दिए जानकारी के आधार पर देश के विकास में रणनीति तैयार होता है। इसलिए सभी नागरिक सही जानकारी प्रदान करें। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कहा कि जनगणना को आसानी से मोबाइल, कम्प्यूटर, लैपटॉप आदि में कोई भी भर सकता है। यह वेबसाईट (एसई डॉट सेंसस डॉट जीओव्ही डॉट इन) पर 30 अप्रैल तक स्वयं ''स्वगणना'' फार्म भर सकते हैं और जब प्रगणक आएं तो उसका जनरेट नंबर प्रगणक को उपलब्ध कराएं। इस दौरान कार्यक्रम में आये ग्रामीणों को स्वगणना फॉर्म उनको मोबाईल में भरने के लिए सहयोग किया गया। कलेक्टर डॉ कन्नौजे और सीईओ जिला पंचायत बर्मन ने जादुई बॉक्स में बरसात का पानी को उडेल कर ग्रामीणों को जल संरक्षण की सीख दी कि बरसात के पानी को सोख्ता गड्ढा से बचाया जा सकता है। कलेक्टर ने जल संरक्षण के लिए ग्रामीणों को शपथ दिलाया और सोख्ता गड्ढानिर्माण में अपना श्रमदान किया।

सीएमएचओ का औचक निरीक्षण : गांवों में पहुंचकर परखी स्वास्थ्य सेवाएं, लापरवाही पर सख्त निर्देश

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए सीएमएचओ डॉ. बी.आर. पुजारी ने शुक्रवार को भोपालपटनम ब्लॉक के कई स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं की हकीकत जानी और मौके पर ही सुधार के निर्देश दिए। सीएमएचओ सबसे पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मद्देड पहुंचे, जहां मरीजों को मिल रही सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता और स्टाफ की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। इसके बाद पॉलीक्लिनिक मद्देड के मेडिकल स्टोर का निरीक्षण कर दवा वितरण व्यवस्था को परखा। निरीक्षण के दौरान डॉ. पुजारी ने उपस्वास्थ्य केंद्र गोरला के दमपाया, चेरपल्ली के कोनागुडा और रूद्रारम में चल रहे व्हीएचएनडी सत्र और यूनिवर्सल हेल्थ सर्वे की प्रगति देखी। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति और

कामकाज की समीक्षा करते हुए सेवाओं में किसी तरह की ढिलाई न बरतने के निर्देश दिए। मरीजों की मौके पर ही जांच कराई गई, जिसमें वजन, ऊंचाई, ब्लड प्रेशर, शुगर और हीमोग्लोबिन की जांच शामिल रही। टीबी, मलेरिया समेत अन्य बीमारियों की पहचान कर इलाज शुरू किया गया, जबकि गंभीर मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया गया। सीएमएचओ ने साफकहा कि मरीजों का पूरा स्वास्थ्य रिकॉर्ड रखा जाए और इलाज में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जोर दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर जांच और सही इलाज ही गंभीर बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। निरीक्षण से स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति सामने आई है, वहीं दूरस्थ इलाकों में बेहतर इलाज पहुंचाने के प्रयास भी तेज होते दिख रहे हैं।

पोषण पखवाड़ा समापन कार्यक्रम में नागरिकों को मिला लाभ

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

आंगनबाड़ी केंद्र कोतरी में पोषण पखवाड़ा 2026 का समापन कार्यक्रम विगत दिवस किया गया। इस अवसर पर ईसीसीई कार्यक्रम, पालक सम्मेलन, गोद भराई, अन्नप्राशन, न्योता भोज एवं आधार पंजीयन कैम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे, शिक्षा शर्मा डिप्टी कलेक्टर, किशन टंडन क्रांति (जिला कार्यक्रम अधिकारी) एवं उत्तम प्रसाद (जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी) शामिल हुए। समापन कार्यक्रम के दौरान बच्चों के समग्र विकास हेतु ईसीसीई

गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया तथा अभिभावकों को पोषण, स्वास्थ्य एवं बाल विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। पालक सम्मेलन में उपस्थित अभिभावकों को संतुलित आहार एवं बच्चों की उचित देखभाल के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही गोद भराई कार्यक्रम के माध्यम से गर्भवती माताओं को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन दिया गया तथा अन्नप्राशन कार्यक्रम के अंतर्गत शिशुओं को पूरक पोषण आहार प्रारंभ करने के महत्व के बारे में बताया गया। न्योता भोज के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा दिया गया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम स्थल पर आधार पंजीयन कैम्प का आयोजन कर हितग्राहियों के आधार पंजीयन/अपडेट की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे आमजन को सीधा लाभ मिला।

जनगणना में नागरिकों की जानकारी पूरी तरह गोपनीय - कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे

कलेक्टर ने ली प्रेस वार्ता- स्वगणना का ऑनलाइन फॉर्म 30 अप्रैल तक स्वयं भर सकते हैं नागरिक

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में शुक्रवार संध्या को आयोजित प्रेस वार्ता में आगामी भारत की जनगणना 2027 को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जनगणना में नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित रहेगी तथा इसका उपयोग केवल विकास योजनाओं के निर्माण के लिए किया जाएगा। यह जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि भविष्य की योजना का आधार स्तंभ है। इस बार प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल होगी, जिससे डेटा संग्रह

अधिक सटीक और पारदर्शी बनेगा। जनगणना अधिनियम 1948 के तहत नागरिकों की जानकारी किसी भी पुलिस जांच, आयकर या अन्य कार्यवाही में उपयोग नहीं की जा सकती। डॉ कन्नौजे ने कहा कि जनगणना को दो चरणों में संपन्न किया जाएगा। पहला चरण मकान सूचीकरण का होगा, जो 1 मई से 30 मई 2026 तक चलेगा। इसके तहत लगभग 33 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें घर की स्थिति, पेयजल, बिजली, शौचालय और अन्य सुविधाओं की जानकारी शामिल होगी। मुख्य जनगणना फरवरी 2027 से शुरू होकर मार्च 2027 तक पूरी की जाएगी, जिसमें करीब 33 प्रश्नों के माध्यम से नागरिकों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का आंकलन किया जाएगा। डिजिटल प्रक्रिया के तहत नागरिक स्वगणना का ऑनलाइन फॉर्म 30 अप्रैल तक वेबसाईट (एसई डॉट सेंसस डॉट जीओव्ही डॉट इन) पर स्वयं भर सकते हैं, जिसके बाद उन्हें एक विशेष आईडी प्राप्त होगी। गणना कर्मी (प्रगणक) के घर पहुंचने पर यह आईडी दिखाने से पूरी प्रक्रिया कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाएगी। पलायन किये या मई में घर पर नहीं रहने वालों को इसका उपयोग किया जाना चाहिए ताकि वे जनगणना से वंचित नहीं हो। इस बार प्रगणक स्मार्टफोन व विशेष मोबाइल ऐप के जरिए डेटा संग्रह करेंगे,जिससे दूरस्थ क्षेत्रों का डेटा भी रियल टाइम में सुरक्षित सर्वर पर अपलोड होगा और त्रुटि की संभावना कम होगी। प्रेस वार्ता में उप निर्वाचन अधिकारी उमेश साहू, यशवंत सिंह ठाकुर, भरत अग्रवाल, दीपक थवाईत सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे।

खरसिया में लापरवाही: महिला पशु सखी की अनदेखी से बछड़े की मौत, शव अब तक नहीं दफन

खरसिया /मूक पत्रिका

खरसिया क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत दर्रामुड़ा में पशु सेवा से जुड़ी एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। जानकारी के अनुसार, गांव में एक आवारा बछड़ा पिछले दो-तीन दिनों से बीमारी और पानी की कमी के कारण तड़प रहा था। समय पर इलाज और देखभाल नहीं मिलने के कारण अंततः उसकी मृत्यु हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पूरे मामले में महिला पशु सखी ने कोई पहल नहीं की। बछड़े की हालत गंभीर होने के बावजूद न तो इलाज कराया गया और न ही किसी जिम्मेदार विभाग को सूचना दी गई।

हैरानी की बात यह है कि बछड़े की मौत के बाद भी अब तक उसके शव को दफनाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे गांव में दुर्गंध

और बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि संबंधित पशु सखी केवल सरकार से वेतन ले रही है, लेकिन अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर रही है।

फुटपाथ छोड़ अब सड़क पर ठेला- खोमचा वालों ने जमाया कब्जा

रायगढ़ /मूक पत्रिका

शहर के मुख्य मार्गों के फुटपाथ पर कब्जा करने के साथ ही अब ठेला वाले सड़क पर भी कब्जा करने लगे हैं। जिसके चलते सड़कें संकरी हो गई है और जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। जिम्मेदार अधिकारी इस अतिक्रमण को हटाने मे कोई दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं

मामला बोइरदादार का है यहाँ मलिडीपा जाने के लिए नगर निगम की और से एक बोर्ड लगाया गया है उसे बोर्ड के बगल से चंद्रा नाश्ता का ठेला लगता है जो की दिन-ब-दिन अपने नाश्ते व गन्ना रस का ठेला रोड पर आ रहा है मालीडीपा मुख्य मार्ग व टर्निंग होने के कारण आने जाने वाले लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है कई बार तो

टर्निंग में ठेला की वजह से कई एक्सीडेंट हो चुके हैं लेकिन फिर भी नाश्ता ठेला लगाने वाले आपको समझ नहीं आ रहा है उसे ठेले को देखकर और भी कई ठेले एक लाइन से लग रहे हैं ठेले लगने के कारण जो भी नाश्ता हुआ जूस पीने आता है मुख्य मार्ग पर ही अपनी गाड़ी पार्किंग करता है जिससे शाम होते ही आने जाने वाले लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा हैलोगों का कहना है कि फुटपाथ पर आए दिन नई दुकान खुल जाती है। चलने के लिए जगह नहीं बचती। इन पर कार्रवाई तो होती है, लेकिन दोबारा कब्जा कर लिया जाता है। इसके बाद हालात जस के तस हो जाते हैं। इस मार्ग पर भी एक साथ विपरीत दिशा से आने वाले वाहनों का निकलना मुश्किल हो जाता हैइन पर नगर निगम का ध्यान है और जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं या फिर किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं

प्रधान पाठक आत्महत्या मामला: सुसाइड नोट के आधार पर FIR, ठेकेदार गिरफ्तार

बीजापुर/मूक पत्रिका

पालनार स्कूल के प्रधान पाठक राजू पुजारी की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक, 22 अप्रैल को चेरपाल निवासी राजू पुजारी ने गांव के खेत-जंगल क्षेत्र में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्रवाई की गई। जांच के दौरान मृतक के पास से एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें कुछ लोगों द्वारा दबाव बनाए जाने की बात सामने आई है। प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला

कि स्कूल भवन निर्माण कार्य को लेकर विवाद चल रहा था। यह निर्माण कार्य ठेकेदार देवाशीष मंडल द्वारा कराया जा रहा था, जिसमें करीब 40त्न राशि का भुगतान हो चुका था, जबकि बाकी भुगतान को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई थी। पुलिस का कहना है कि मृतक लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान था और भुगतान से जुड़े विवाद में दबाव व फंसाने की आशंका से भयभीत था। पंचनामा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने फरार आरोपी ठेकेदार देवाशीष मंडल (36), निवासी डारापारा को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नागरिकों से कागज, लकड़ी, पत्थर, ताम्रपत्र में हस्तलिखित लिपियों की जानकारी देने कलेक्टर का आह्वान

ज्ञान भारतम् अभियान से सहेजी जाएगी पांडुलिपि - कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने प्रेस वार्ता में कहा कि ज्ञान भारतम् अभियान राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के तहत देश की अमूल्य पांडुलिपियों के संरक्षण और दस्तावेजीकरण के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखना है। कलेक्टर ने नागरिकों से कागज, लकड़ी, पत्थर, ताम्रपत्र में हस्तलिखित लिपियों की जानकारी देने का आह्वान किया है। डॉ संजय ने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा, संस्कृति, विज्ञान और दर्शन

को संजोए रखने वाली पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए केंद्र सरकार द्वारा यह अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत न केवल पांडुलिपियों के सर्वेक्षण और दस्तावेजी करण किया जा रहा है, बल्कि उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने का भी लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान के तहत ज्ञान भारतम् मोबाइल ऐप विकसित किया गया है, जिसमें उपलब्ध पांडुलिपियों की तस्वीरें अपलोड करना अनिवार्य किया गया है ताकि उनका डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा सके। जिले में इस अभियान को गति देने के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। पिछले दिनों कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. बिहारी लाल साहू से उनके निवास चांटीपाली में मुलाकात कर पांडुलिपि संरक्षण पर विस्तृत चर्चा किया गया था। कलेक्टर ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से गांवों शहरों में छिपी दुर्लभ पांडुलिपियों की पहचान कर उन्हें संरक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता मिलने की उम्मीद है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।